United Liberal Foundation
Education is about creating leaders for tomorrow

ULF Publication

History Encyclopedia

NCERT Notes Book for UPSC , State PCS & for One Day Exams

NCERT

06

Bilingual Medium

Follow us on

United Liberal Foundation

Reference Number: - IND/WB/ULF/NCERT/2023/0002 ***Date: - 11th January 2022***

What, Where, How and When Chapter 1
क्या, कहाँ, कैसे और कब अध्याय 1

People have lived along the banks of rivers for several hundred thousand years. Some of the earliest people who lived there were skilled gatherers, that is, the people who gathered food. (लोग कई लाख वर्षों से नदियों के किनारे रहते हैं। वहां रहने वाले कुछ शुरुआती लोग कुशल संग्राहक थे, यानी वे लोग जो भोजन इकट्ठा करते थे।)

The Sulaiman and Kirthar Hills to the North-West were some of the areas where women and men first began to grow crops such as wheat and barley about 8000 years ago. (उत्तर-पश्चिम में सुलेमान और किरथर पहाड़ियाँ कुछ ऐसे क्षेत्र थे जहाँ महिलाओं और पुरुषों ने लगभग 8000 साल पहले गेहूँ और जौ जैसी फ़सलें उगाना शुरू किया था।)

People also began rearing animals like sheep, goat, and cattle and started living in villages. (लोग भेड़, बकरी और मवेशी जैसे पशुओं को पालने लगे और गाँवों में रहने लगे।)

The places where rice was first grown were situated in the North Vindhyas. (जिन स्थानों पर सबसे पहले चावल उगाए गए वे उत्तरी विंध्य में स्थित थे।)

Men and women moved in search of livelihood, as well as to escape from natural disasters like floods or droughts. Sometimes, men marched in armies, conquering other's lands. (पुरुषों और महिलाओं ने आजीविका की तलाश में, साथ ही बाढ़ या सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए पलायन किया। कभी-कभी, पुरुष सेनाओं में मार्च करते थे, दूसरों की भूमि पर विजय प्राप्त करते थे।)

People have shared new ways of carving stones, composing music, and even cooking food, over several hundreds of years. (लोगों ने कई सैकड़ों वर्षों में पत्थरों को तराशने, संगीत रचने और यहां तक कि खाना पकाने के नए तरीकों को साझा किया है।)

Manuscripts were usually written on palm leaves or on the specially prepared bark of a tree known as the birch, which grows in the Himalayas. (पांडुलिपियां आमतौर पर ताड़ के पत्तों पर या हिमालय में उगने वाले बर्च नामक पेड़ की विशेष रूप से तैयार छाल पर लिखी जाती थीं।)

Inscriptions are writings on relatively hard surfaces such as stone or metal. (शिलालेख पत्थर या धातु जैसी अपेक्षाकृत कठोर सतहों पर लिखे गए लेख हैं।)

Archaeologists study the remains of buildings made of stones and bricks, paintings and sculpture. They also explore and excavate to find tools, weapons, pots, pans, ornaments and coins. (पुरातत्वविद् पत्थरों और ईंटों, चित्रों और मूर्तिकला से बनी इमारतों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं। वे उपकरण, हथियार, बर्तन, धूपदान, आभूषण और सिक्के खोजने के लिए खोजबीन और खुदाई भी करते हैं।)

Archaeologists also look for the bones of animals, birds, and fishes in order to find out what people ate in the past. (पुरातत्वविद् यह पता लगाने के लिए जानवरों, पक्षियों और मछलियों की हड्डियों की भी तलाश करते हैं कि अतीत में लोग क्या खाते थे।)

All dates before the birth of Christ are counted backwards and usually have the letters BC or BCE (Before Christ) added on. (ईसा मसीह के जन्म से पहले की सभी तिथियों को पीछे की ओर गिना जाता है और आमतौर पर बीसी या बीसीई (ईसा से पहले) अक्षर जोड़े जाते हैं।)

People have lived on the banks of the Narmada for several thousand years. The earliest of them were skilled gatherers—people who gathered their food. (लोग कई हजार वर्षों से नर्मदा के तट पर रहते आए हैं। उनमें से सबसे पहले कुशल संग्राहक थे - वे लोग जो अपना भोजन इकट्ठा करते थे।)

Near Sulaiman and Kirthar hills in present-day Pakistan, crops like wheat and barley were first grown 8000 years ago. People also began rearing animals like sheep, goat, and cattle. They lived in villages. Rice was first grown in the north of the Vindhyas. (वर्तमान पाकिस्तान में सुलेमान और किरथर पहाड़ियों के पास, गेहूं और जौ जैसी फसलें 8000 साल पहले पहली बार उगाई गई थीं। लोगों ने भेड़, बकरी और मवेशी जैसे जानवरों को पालना भी शुरू कर दिया। वे गांवों में रहते थे। चावल सबसे पहले विंध्य के उत्तर में उगाया जाता था।)

Agriculture developed near the Garo hills and near the Vindhyas. (गारो पहाड़ियों के पास और विंध्य के पास कृषि का विकास हुआ।)

Some of the earliest cities flourished about 4700 years ago on the banks of the Indus and its tributaries. Cities also developed on the banks of the Ganga. (कुछ शुरुआती शहर लगभग 4700 साल पहले सिंधु और उसकी सहायक नदियों के किनारे फले-फूले। गंगा के तट पर भी नगरों का विकास हुआ।)

People travelled from one place to another and interacted with each other, thus sharing ideas. This has enriched our culture. (लोग एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते थे और एक दूसरे के साथ बातचीत करते थे, इस प्रकार विचारों का आदान-प्रदान करते थे। इससे हमारी संस्कृति समृद्ध हुई है।)

Old books, called manuscripts, were usually written on palm leaf or the bark of the birch trip. They are helpful in revealing our past. (पुरानी किताबें, जिन्हें पांडुलिपियाँ कहा जाता है, आमतौर पर ताड़ के पत्ते या सन्टी की छाल पर लिखी जाती थीं। वे हमारे अतीत को प्रकट करने में सहायक होते हैं।)

Archaeologists have also found inscriptions, which are an engraved form of writing on hard surfaces, such as stone or metal. They were used for various purposes. (पुरातत्वविदों को शिलालेख भी मिले हैं, जो पत्थर या धातु जैसी कठोर सतहों पर उत्कीर्ण लेखन के रूप हैं। उनका उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया गया था।)

The people who study objects made and used in the past are called archaeologists. They explore and excavate to find old objects. They also look for bones of living beings to find what people ate. (वे व्यक्ति जो भूतकाल में निर्मित और उपयोग में लाई गई वस्तुओं का अध्ययन करते हैं, पुरातत्वविद कहलाते हैं। वे पुरानी वस्तुओं को खोजने के लिए अन्वेषण और खुदाई करते हैं। वे यह जानने के लिए जीवित प्राणियों की हड्डियाँ भी खोजते हैं कि लोग क्या खाते हैं।)

The people who study the past are historians. They look for information found from manuscripts and inscriptions, which they call source. (अतीत का अध्ययन करने वाले लोग इतिहासकार होते हैं। वे पांडुलिपियों और शिलालेखों से मिली जानकारी की तलाश करते हैं, जिसे वे स्रोत कहते हैं।)

Archaeologists: People who study the objects made and used in the past are called archaeologists.
पुरातत्त्ववेत्ता: जो लोग अतीत में निर्मित और उपयोग की जाने वाली वस्तुओं का अध्ययन करते हैं उन्हें पुरातत्त्वविद कहा जाता है।

Excavation: The process of digging under the surface of the earth in order to find old objects is called excavation.
उत्खनन: पुरानी वस्तुओं को खोजने के लिए पृथ्वी की सतह के नीचे खुदाई करने की प्रक्रिया उत्खनन कहलाती है।

Historians: Scholars who study the past are called historians.
इतिहासकार: अतीत का अध्ययन करने वाले विद्वान इतिहासकार कहलाते हैं।

Inscriptions: These are writings on very hard surfaces like stone or metal. Manuscripts. Books that were written long ago by hand on palm leaf or barks of trees are called manuscripts.
शिलालेख: ये पत्थर या धातु जैसी बहुत कठोर सतहों पर लिखे गए लेख हैं। पांडुलिपियां। ताड़ के पत्तों या पेड़ों की छाल पर हाथ से लिखी गई पुस्तकों को पांडुलिपि कहा जाता है।

Skilled Gatherers: The people who gathered their food. They have lived on the banks of the Narmada for several hundred thousand years.
कुशल संग्राहक: वे लोग जो अपना भोजन एकत्र करते थे। वे कई लाख वर्षों से नर्मदा के तट पर रहते हैं।)

Tributaries: Smaller Rivers that flow into a larger river are said to be its tributaries.
सहायक नदियाँ: छोटी नदियाँ जो एक बड़ी नदी में बहती हैं, उसकी सहायक नदियाँ कहलाती हैं।

8000 years ago – beginning of agriculture
8000 साल पहले - कृषि की शुरुआत

4700 years ago – the first cities
4700 साल पहले - पहले शहर

2500 years ago – the Magadha Kingdom
2500 साल पहले - मगध साम्राज्य

United Liberal Foundation
Education is about creating leaders for tomorrow

On The Trial of the Earliest People Chapter 2
प्रारंभिक लोगों की परीक्षा पर अध्याय 2

Palaeolithic: This term refers to the age where we find a large number of stone tools. It extends from 2 million years ago to about 12,000 years ago and is divided into Lower, Middle and Upper Palaeolithic.
पुरापाषाण: यह शब्द उस युग को संदर्भित करता है जहां हमें बड़ी संख्या में पत्थर के औजार मिलते हैं। यह 2 मिलियन वर्ष पूर्व से लेकर लगभग 12,000 वर्ष पूर्व तक फैला हुआ है और इसे निम्न, मध्य और उच्च पुरापाषाण काल में विभाजित किया गया है।

Mesolithic: This period extends from 10,000 years ago to about 12,000 years ago. Stone tools found during this period were generally tiny and were called Microliths.
मेसोलिथिक: यह अवधि 10,000 साल पहले से लेकर लगभग 12,000 साल पहले तक फैली हुई है। इस अवधि के दौरान पाए गए पत्थर के उपकरण आम तौर पर छोटे होते थे और उन्हें माइक्रोलिथ कहा जाता था।

Neolithic: This was the period that dates back to about 10,000 years ago, and is, therefore, known as the New Stone Age.
नवपाषाण: यह वह अवधि थी जो लगभग 10,000 साल पहले की है, और इसलिए इसे नव पाषाण युग के रूप में जाना जाता है।

The Earliest People: They were hunter-gatherers, a name derived from the way they collected food. They hunted animals, collected berries and fruits and gathered nuts, stalks and eggs. To hunt, they needed to move constantly, and to gather plant products, they needed knowledge about the edibility of plants and change of seasons.
सबसे शुरुआती लोग: वे शिकारी-संग्रहकर्ता थे, यह नाम उनके द्वारा भोजन एकत्र करने के तरीके से लिया गया था। उन्होंने जानवरों का शिकार किया, जामुन और फल एकत्र किए और नट, डंठल और अंडे इकट्ठा किए। शिकार करने के लिए, उन्हें लगातार चलने की जरूरत थी, और पौधों के उत्पादों को इकट्ठा करने के लिए, उन्हें पौधों की खाद्यता और मौसम के परिवर्तन के बारे में ज्ञान की जरूरत थी।

Archaeological Evidence of Early Man: How do we know about the early man? This has been possible through an analysis of objects found, which were probably used by the early man. For example, tools made of stones, bones and wood.
आदिम मानव के पुरातात्विक साक्ष्य: हम आदिम मानव के बारे में कैसे जानते हैं? यह उन वस्तुओं के विश्लेषण के माध्यम से संभव हो पाया है, जिनका उपयोग संभवतः प्रारंभिक मानव द्वारा किया गया था। उदाहरण के लिए, पत्थरों, हड्डियों और लकड़ी से बने उपकरण।

Uses of Tools: Stone tools were used to cut meat and bones, scrape bark (from trees) and hides (animal skins) as well as to chop fruit and roots.
औजारों का उपयोग: मांस और हड्डियों को काटने, छाल (पेड़ों से) और खाल (जानवरों की खाल) को खुरचने के साथ-साथ फलों और जड़ों को काटने के लिए पत्थर के औजारों का इस्तेमाल किया जाता था।

Making Stone Tools: Two different techniques were used for making stone tools.
पत्थर के औजार बनाना: पत्थर के औजार बनाने के लिए दो अलग-अलग तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता था।

Choosing a Place to Live In: Dwellings chosen by the early man were located near sources of water, such as rivers and lakes as well as where the good quality stone was available for their tools.
रहने के लिए एक जगह का चयन: प्रारंभिक मानव द्वारा चुने गए आवास पानी के स्रोतों जैसे नदियों और झीलों के पास स्थित थे और साथ ही जहां उनके उपकरणों के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले पत्थर उपलब्ध थे।

Painting-Rock paintings: Paintings on a rock shelter.
पेंटिंग-रॉक पेंटिंग्स: रॉक शेल्टर पर पेंटिंग्स।

Finding out about Fire: At Kurnool caves in Andhra Pradesh, evidence and traces of ash have been found suggesting use of fire. The fire might have been used as a source of light, to cook meat and to scare away animals.
आग के बारे में पता लगाना: आंध्र प्रदेश में कुरनूल गुफाओं में, आग के उपयोग का सुझाव देने वाले राख के सबूत और निशान पाए गए हैं। मांस पकाने और जानवरों को डराने के लिए आग का इस्तेमाल प्रकाश के स्रोत के रूप में किया गया हो सकता है।

A Changing Environment: About 12,000 years ago, there was a major change in the climate of the world. This change led to a shift to warm conditions, leading to the development of grasslands at many places which helped people to start thinking about the herding and rearing animals.
बदलता पर्यावरण: लगभग 12,000 वर्ष पूर्व विश्व की जलवायु में एक बड़ा परिवर्तन हुआ। इस परिवर्तन ने गर्म

परिस्थितियों की ओर रुख किया, जिससे कई स्थानों पर घास के मैदानों का विकास हुआ जिससे लोगों को पशुओं को पालने और पालने के बारे में सोचने में मदद मिली।)

Habitation-cum-Factory Sites: Places where stones were found and early people made their tools. Sometimes, people lived (habitat) here for a longer span of time.
आवास-सह-कारखाना स्थल: वे स्थान जहाँ पत्थर पाए जाते थे और प्रारंभिक लोगों ने उनके उपकरण बनाए थे। कभी-कभी लोग यहाँ लम्बे समय तक निवास करते थे।

Bhimbetka: This is a place in Madhya Pradesh where we find examples of habitation sites, natural caves and rock shelters.

People who lived in the subcontinent about 2 million years ago were Hunter-gatherers. They hunted wild animals and gathered plant produce to get their food. They moved from place to place, in search of more food, water and resources.
भीमबेटका: यह मध्य प्रदेश का एक ऐसा स्थान है जहाँ हमें आवास स्थलों, प्राकृतिक गुफाओं और शैल आश्रयों के उदाहरण मिलते हैं।

उपमहाद्वीप में लगभग 20 लाख वर्ष पहले रहने वाले लोग शिकारी-संग्रहकर्ता थे। वे अपना भोजन प्राप्त करने के लिए जंगली जानवरों का शिकार करते थे और पौधों की उपज इकट्ठा करते थे। वे अधिक भोजन, पानी और संसाधनों की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहे।)

Hunter-gatherers made and used various types of tools—tools of stone, wood and bone. (आखेटक-संग्रहकर्ता पत्थर, लकड़ी और हड्डी के विभिन्न प्रकार के औज़ार बनाते और इस्तेमाल करते थे।)

Habitation refers to the place where people lived. (आवास उस स्थान को संदर्भित करता है जहां लोग रहते थे।)

Stone tools were made using different techniques like a stone on stone (using a stone to give required shape to another stone) and pressure flaking. (पत्थर के उपकरण पत्थर पर पत्थर (दूसरे पत्थर को आवश्यक आकार देने के लिए एक पत्थर का उपयोग करके) और दबाव शल्कन जैसी विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके बनाए गए थे।)

Education is about creating leaders for tomorrow

The fire was used by the early people. They used fire as a source of light, to cook meat and to scare away animals. (अग्नि का प्रयोग प्राचीन काल के लोग करते थे। उन्होंने प्रकाश के स्रोत के रूप में, मांस पकाने के लिए और जानवरों को डराने के लिए आग का इस्तेमाल किया।)

Grasslands developed in many areas due to change in climate around 12000 years ago. Herding, and rearing animals and fishing became common. (लगभग 12000 वर्ष पूर्व जलवायु परिवर्तन के कारण कई क्षेत्रों में घास के मैदानों का विकास हुआ। पशुपालन, पशुपालन और मछली पकड़ना आम हो गया।)

Several grain-bearing panes of grass, like wheat, barley, rice grew naturally in different parts of the subcontinent. The people also began growing plants on their own. (उपमहाद्वीप के विभिन्न हिस्सों में गेहूं, जौ, चावल जैसी घास के कई दाने वाले फलक प्राकृतिक रूप से उगते हैं। लोगों ने भी अपने आप पौधे उगाना शुरू कर दिया।)

Many old caves have paintings on their walls. They show wild animals and are drawn with great accuracy and skill. A painting from a rock shelter. (कई पुरानी गुफाओं की दीवारों पर चित्र बने हुए हैं। वे जंगली जानवरों को दिखाते हैं और बड़ी सटीकता और कुशलता से खींचे जाते हैं। एक शैलाश्रय की एक पेंटिंग।)

In Hunsgi, a number of early Palaeolithic sites have been found. A large number of tools were also

found, most of which were made of limestone. (हुंसगी में, कई प्रारंभिक पुरापाषाण स्थल पाए गए हैं। बड़ी संख्या में उपकरण भी मिले हैं, जिनमें से अधिकांश चूना पत्थर के बने थे।)

Factory-Sites: Places where the stone was found and where people made tools are called Factory-sites.
कारखाने-स्थल: वे स्थान जहाँ पत्थर पाया जाता था और जहाँ लोग औजार बनाते थे, कारखाने-स्थल कहलाते हैं।

Grasslands: Areas of land with high fertility and thus good for growing crops are called Grasslands.
घास के मैदान: उच्च उर्वरता वाले भूमि के क्षेत्र और इस प्रकार फसल उगाने के लिए अच्छे घास के मैदान कहलाते हैं।

Habitation-Cum-Factory Sites: Factory-sites, where people lived for some time, have been called Habitation-cum-factory sites.
आवास-सह-कारखाना स्थल: कारखाना-स्थल, जहाँ कुछ समय तक लोग रहते थे, आवास-सह-कारखाना स्थल कहलाते हैं।

Hunter-Gatherers: People who lived in the subcontinent about two million years ago and who hunted wild animals, caught fish and birds, gathered food to eat, were the Hunter-gatherers.
आखेटक-संग्रहकर्ता: लगभग 20 लाख वर्ष पहले उपमहाद्वीप में रहने वाले लोग और जो जंगली जानवरों का शिकार करते थे, मछली और पक्षियों को पकड़ते थे, खाने के लिए भोजन इकट्ठा करते थे, आखेटक-संग्रहकर्ता थे।

Palaeolithic: The part of history extending from 2 million years ago to about 12,000 years ago is called the Palaeolithic period.
पुरापाषाण काल: 20 लाख वर्ष पूर्व से लेकर लगभग 12,000 वर्ष पूर्व तक के इतिहास के भाग को पुरापाषाण काल कहते हैं।

Mesolithic: The part of history extending from about 12,000 years ago to about 10,000 years ago is called the Mesolithic period.
मध्यपाषाण काल: लगभग 12,000 वर्ष पूर्व से लगभग 10,000 वर्ष पूर्व तक फैले इतिहास के भाग को मध्यपाषाण काल कहा जाता है।

Microliths: Stone tools of the Mesolithic period are called Microliths.
माइक्रोलिथ्स: मध्यपाषाण काल के पत्थर के औजारों को माइक्रोलिथ्स कहा जाता है।

Education is about creating leaders for tomorrow

From Gathering to Growing Chapter 3
संग्रहण से भोजन उगाने तक अध्याय 3

Farming developed as a consequence of the climate change of the world. People observed plants and how they grow. Gradually, they also started growing crops. (दुनिया के जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप खेती का विकास हुआ। लोगों ने पौधों को देखा और वे कैसे बढ़ते हैं। धीरे-धीरे वे फसलें भी उगाने लगे।)

People also started taming animals. The dog was the first animal to be tamed. (लोग जानवरों को भी पालने लगे। कुत्ता सबसे पहला पालतू जानवर था।)

Animals like sheep, goat, and cattle were also tamed and so people became herders. (भेड़, बकरी और मवेशियों जैसे जानवरों को भी पाला जाता था और इसलिए लोग चरवाहे बन जाते थे।)

Grains were used as seeds, as food, and also as gifts. They were stored by humans. (अनाज का उपयोग

बीज के रूप में, भोजन के रूप में और उपहार के रूप में भी किया जाता था। उन्हें मनुष्यों द्वारा संग्रहित किया गया था।)

Animals were also 'stored' since they can serve as a source of milk and also provide meat. So, animals were used as a 'store' of food. (जानवरों को भी 'संग्रहीत' किया गया क्योंकि वे दूध के स्रोत के रूप में काम कर सकते हैं और मांस भी प्रदान कर सकते हैं। इसलिए, जानवरों को भोजन के 'भंडार' के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।)

The period of history after about 10,000 years ago is called the Neolithic Age. Mortars and pestles and other tools of the Neolithic age have also been found. (लगभग 10,000 वर्ष पूर्व के इतिहास के काल को नवपाषाण युग कहा जाता है। नवपाषाण युग के मोर्टार और मूसल और अन्य उपकरण भी पाए गए हैं।)

People grew cotton by this time and so weaving of clothes had begun. (इस समय तक लोग कपास उगाते थे और इसलिए कपड़े की बुनाई शुरू हो गई थी।)

Many farmers and herders lived in groups, which were known as Tribes. Certain customs and practices were followed by them. (कई किसान और चरवाहे समूहों में रहते थे, जिन्हें जनजाति के रूप में जाना जाता था। उनके द्वारा कुछ रीति-रिवाजों और प्रथाओं का पालन किया जाता था।)

Mehrgarh was situated in a fertile plain, near the Bolan Pass. Here, people learnt to grow barley and wheat. It is one of the earliest villages. (मेहरगढ़ बोलन दर्रे के पास एक उपजाऊ मैदान में स्थित था। यहाँ लोगों ने जौ और गेहूँ उगाना सीखा। यह शुरुआती गांवों में से एक है।)

Different plants grow in different conditions. Different animals also prefer different environments. (अलग-अलग पौधे अलग-अलग परिस्थितियों में उगते हैं। अलग-अलग जानवर भी अलग-अलग वातावरण पसंद करते हैं।)

Farming developed as a result of the climate change of the world. People observed plants and how they grow. Gradually they also started growing crops. (दुनिया के जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप खेती का विकास हुआ। लोगों ने पौधों को देखा और वे कैसे बढ़ते हैं। धीरे-धीरे वे फसलें भी उगाने लगे।)

People also got interested in taming animals. The dog was the first animal to be tamed. Animals like sheep, goat, and cattle were also tamed and so people became herders. (लोगों को जानवरों को वश में करने में भी रुचि होने लगी। कुत्ता सबसे पहला पालतू जानवर था। भेड़, बकरी और मवेशियों जैसे जानवरों को भी पाला जाता था और इसलिए लोग चरवाहे बन जाते थे।)

Grains were used as seeds, as food, and as gifts. They were stored by humans. (अनाज का उपयोग बीज के रूप में, भोजन के रूप में और उपहार के रूप में किया जाता था। उन्हें मनुष्यों द्वारा संग्रहित किया गया था।)

Animals were also 'stored' since they can serve as a source of milk and also ready meat. So animals were used as a 'store' of food. (जानवरों को भी 'संग्रहीत' किया जाता था क्योंकि वे दूध के स्रोत और तैयार मांस के रूप में भी काम कर सकते थे। इसलिए जानवरों को भोजन के 'भंडार' के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।)

Some sites have given evidence of farmers and herders. Plant remains and animal bones have been found and studied. (कुछ स्थलों ने किसानों और चरवाहों के साक्ष्य दिए हैं। पौधों के अवशेष और जानवरों की हड्डियाँ मिली हैं और उनका अध्ययन किया गया है।)

Archaeologists have found traces of huts or houses at some sites. Pit-houses were built by digging into the ground. (पुरातत्वविदों को कुछ स्थलों पर झोपड़ियों या घरों के निशान मिले हैं। जमीन खोदकर गड्ढे-घर बनाए गए थे।)

United Liberal Foundation
Education is about creating leaders for tomorrow

The period of history after about 10,000 years ago is called the Neolithic Age. Mortars and pestles and other tools of the Neolithic age have been found. (लगभग 10,000 वर्ष पूर्व के इतिहास के काल को नवपाषाण युग कहा जाता है। नवपाषाण युग के मोर्टार और मूसल और अन्य उपकरण पाए गए हैं।)

People also grew cotton by this time and so weaving of clothes had begun. (इस समय तक लोग कपास भी उगाते थे और इसलिए कपड़े की बुनाई शुरू हो गई थी।)

Many farmers and herders lived in groups, which were called Tribes. Certain customs and practices were followed by them. (कई किसान और चरवाहे समूहों में रहते थे, जिन्हें जनजाति कहा जाता था। उनके द्वारा कुछ रीति-रिवाजों और प्रथाओं का पालन किया जाता था।)

Mehrgarh was located in a fertile plain, near the Bolan Pass. Here, people learnt to grow barley and wheat. It is one of the earliest villages. (मेहरगढ़ बोलन दर्रे के पास एक उपजाऊ मैदान में स्थित था। यहाँ लोगों ने जौ और गेहूँ उगाना सीखा। यह शुरुआती गांवों में से एक है।)

On excavation, levels are found which indicate chronology (order of events). (उत्खनन करने पर ऐसे स्तर मिलते हैं जो कालक्रम (घटनाओं के क्रम) को दर्शाते हैं।)

In Mehrgarh, remains of houses have been found. They had four or more compartments. (मेहरगढ़ में मकानों के अवशेष मिले हैं। उनके पास चार या अधिक डिब्बे थे।)

Several burial sites have been found in Mehrgarh. (मेहरगढ़ में कई कब्र स्थल पाए गए हैं।)

Stone tools, a stone called jadeite, etc. have been found in Daojali Hading near the Brahmaputra Valley. (ब्रह्मपुत्र घाटी के पास दाओजली हदिंग में पत्थर के औजार, जेडाइट नामक पत्थर आदि मिले हैं।)

Domestication: The taming of animals for various purposes is referred to as Domestication.
पालतू बनाना: विभिन्न प्रयोजनों के लिए जानवरों को पालतू बनाने को डोमेस्टिकेशन कहा जाता है।

Fossil Wood: Ancient wood that has hardened into stone is called Fossil Wood.
जीवाश्म लकड़ी: प्राचीन लकड़ी जो पत्थर में कठोर हो जाती है, जीवाश्म लकड़ी कहलाती है।

Levels: Layers of a mound formed by various waste material over hundreds of years, are called Levels.
स्तर: सैकड़ों वर्षों में विभिन्न अपशिष्ट पदार्थों द्वारा निर्मित टीले की परतों को स्तर कहा जाता है।

Neolithic Age: The part of history after about 10,000 years ago is referred to as the Neolithic Age.
नवपाषाण युग: लगभग 10,000 वर्ष पूर्व के इतिहास के भाग को नवपाषाण युग कहा जाता है।

Tribes: Many farmers and herders lived in groups, which are called Tribes.
जनजातियाँ: कई किसान और चरवाहे समूहों में रहते थे, जिन्हें जनजातियाँ कहा जाता है।

About 12,000 years ago: the beginning of Domestication.
लगभग 12,000 साल पहले: डोमेस्टिकेशन की शुरुआत।

About 10,000 years ago: the beginning of Neolithic Age.
लगभग 10,000 साल पहले: नवपाषाण युग की शुरुआत।

About 8,000 years ago: the beginning of settlement at Mehrgarh.

लगभग 8,000 वर्ष पूर्व मेहरगढ़ में बसावट की शुरुआत।)

In the Earliest Cities Chapter 4
प्रारंभिक नगरों में अध्याय 4

Life in the City: Harappa was a busy place. Rulers planned buildings, traders travelled to distant places to procure raw materials and scribes prepared exotic seals.
शहर में जीवनः हड़प्पा एक व्यस्त स्थान था। शासकों ने इमारतों की योजना बनाई, व्यापारियों ने कच्चे माल की खरीद के लिए दूर-दराज के स्थानों की यात्रा की और शास्त्री विदेशी मुहरें तैयार करते थे।

The Story of Harappa: The cities of the Indus Valley Civilisation are known as the Harappan cities. Rediscovered in the 1920s after excavations in Sindh and Punjab in present-day Pakistan, these cities flourished since 3300 BC.
हड़प्पा की कहानी: सिंधु घाटी सभ्यता के शहरों को हड़प्पा शहरों के रूप में जाना जाता है। वर्तमान पाकिस्तान में सिंध और पंजाब में खुदाई के बाद 1920 के दशक में फिर से खोजे गए, ये शहर 3300 ईसा पूर्व से फले-फूले।

The layout of the Cities: (शहरों का लेआउट :)

- The Harappan cities were divided into two parts: the citadel and the lower town. Walls were fortified with bricks in interlocking patterns. (हड़प्पा नगरों को दो भागों में बांटा गया था: किला और निचला शहर। इंटरलॉकिंग पैटर्न में ईंटों से दीवारों को मजबूत किया गया था।)
- Streets were laid out straight and cut each other at right angles. (सड़कें सीधी बनी हुई थीं और एक दूसरे को समकोण पर काटती थीं।)
- Drains ran parallel to each other and had covered. (नालियां एक दूसरे के समानांतर चलती थीं और ढकी हुई थीं।)
- The citadel was located at a higher level and had special buildings. (गढ़ एक उच्च स्तर पर स्थित था और इसमें विशेष भवन थे।)
- The Great Bath in Mohenjodaro was a tank used for bathing rituals. (मोहनजोदड़ो में विशाल स्नानागार एक तालाब था जिसका उपयोग स्नान अनुष्ठानों के लिए किया जाता था।)
- Kalibangan and Lothal had fire altars where sacrifices may have been performed. (कालीबंगन और लोथल में अग्नि वेदी थी जहाँ बलि दी जाती थी।)
- The lower town was the residential area where houses were one or two storeys high and built around a corridor. (निचला शहर रिहायशी इलाका होता था जहां घर एक या दो मंजिल ऊंचे होते थे और एक गलियारे के आसपास बने होते थे।)

About eighty years ago, remains of the site of a very old city called Harappa were found in present-day Pakistan. The city is supposed to be about 4700 years old. More such cities were also discovered. (लगभग अस्सी साल पहले, हड़प्पा नामक एक बहुत पुराने शहर के अवशेष वर्तमान पाकिस्तान में पाए गए थे। यह शहर लगभग 4700 साल पुराना माना जाता है। ऐसे और नगर भी खोजे गए।)

These cities were usually divided into two or more parts. The part to the west was smaller but higher and the part to the east was larger but lower. The first part has been called citadel and the second part, the lower town. (इन नगरों को प्राय: दो या दो से अधिक भागों में विभाजित किया जाता था। पश्चिम का हिस्सा छोटा लेकिन ऊंचा था और पूर्व का हिस्सा बड़ा लेकिन निचला था। पहले भाग को गढ़ और दूसरे भाग को निचला नगर कहा गया है।)

The bricks used were so well made that they have survived thousands of years. The pattern of their use made walls strong. (इस्तेमाल की गई ईंटें इतनी अच्छी तरह से बनाई गई थीं कि वे हजारों साल तक जीवित रहीं।

उनके उपयोग के पैटर्न ने दीवारों को मजबूत बना दिया।)

A special tank, called the great bath, has been found in the city of Mohenjodaro. Some cities had fire altars and storehouses. (मोहनजोदड़ो शहर में एक विशेष तालाब, जिसे महान स्नानागार कहा जाता है, पाया गया है। कुछ नगरों में अग्निवेदियाँ और भण्डारगृह थे।)

The Grate Bath (द ग्रेट बाथ)

Houses were 1- or 2-stories high. Wells supplied water. Cities had covered drains. Houses, drains and streets were planned and built at the same time. (मकान 1- या 2-मंजिला ऊँचे थे। कुओं से पानी की आपूर्ति होती थी। शहरों में ढके हुए नाले थे। घरों, नालियों और सड़कों की योजना और निर्माण एक ही समय में किया गया था।)

A Harappan city was a very busy place Rulers planned the construction of special buildings. Scribes helped prepare seals. (हड़प्पा नगर बहुत व्यस्त स्थान था। शासकों ने विशेष भवनों के निर्माण की योजना बनाई। मुहरें तैयार करने में शास्त्रियों ने मदद की।)

The Harappan seal (हड़प्पा की मुहर)

Crafts-persons made all kinds of Things Archaeologists have found things made of stone, shell and metal in addition to beads, weights and blades. Seals and pots with wonderful designs were also made. Cloth has also been found. (शिल्पकारों ने हर तरह की चीज़ें बनाईं पुरातत्वविदों को मोती, बाट और ब्लेड के अलावा पत्थर, शंख और धातु से बनी चीज़ें मिली हैं। मोहरें और अद्भुत डिजाइन वाले बर्तन भी बनाए गए थे। कपड़ा भी मिला है।)

The Harapparts got row materials locally or from other places like Rajasthan, Oman, Iran etc. (हड़प्पा के लोगों को स्थानीय स्तर पर या अन्य स्थानों जैसे राजस्थान, ओमान, ईरान आदि से पंक्ति सामग्री मिलती थी।)

They grew wheat, barley, pulses, peas, nee, sesame, linseed and mustard. A tool called plough was used to dig the earth Irrigation was also employed. Animals were reared by the Harappans. (वे गेहूँ, जौ, दालें, मटर, नी, तिल, अलसी और सरसों उगाते थे। हल नामक एक उपकरण का उपयोग जमीन खोदने के लिए किया जाता था। सिंचाई का भी उपयोग किया जाता था। हड़प्पा वासियों द्वारा पशुओं को पाला जाता था।)

In Dholavira in present-day Gujarat, a large open area for ceremonies, and stones with engravements in Harappan script have been, discovered. (धोलावीरा में, वर्तमान गुजरात में, समारोहों के लिए एक बड़ा खुला क्षेत्र, और हड़प्पा लिपि में उत्कीर्णन वाले पत्थरों की खोज की गई है।)

A storehouse has been found in the city of Lothal. (लोथल नगर में एक भंडार गृह मिला है।)

However, there was a major change 3000 years ago and much of the Harappan cities perished. It may have been because of o- cams drying up, or deforestation, or several other reasons (see Flow-Learning 4). (हालाँकि, 3000 साल पहले एक बड़ा परिवर्तन हुआ और हड़प्पा के अधिकांश शहर नष्ट हो गए। यह ओ-कैम के सूखने, या वनों की कटाई, या कई अन्य कारणों से हो सकता है (फ्लो-लर्निंग 4 देखें)

Bronze: The alloy of tin and copper is called bronze.
काँसा: टिन और ताँबे की मिश्रधातु को काँसा कहते हैं।

Citadel: The part to the west of most cities was small but high in comparison to the eastern part. This part is called the citadel.
दुर्ग: अधिकांश नगरों का पश्चिम का भाग छोटा किन्तु पूर्वी भाग की तुलना में ऊँचा था। इस भाग को दुर्ग कहते हैं।

Crafts-Persons: Men and women who made all kinds of things-either in their own homes or in special workshops were the crafts-persons.
शिल्प-व्यक्ति: वे पुरुष और महिलाएँ जो सभी प्रकार की चीज़ें बनाते थे-या तो अपने घरों में या विशेष कार्यशालाओं में शिल्प-व्यक्ति थे।

Lower Town: The eastern part of the cities is referred to as the lower town.
निचला शहर: शहरों के पूर्वी भाग को निचला शहर कहा जाता है।

Plough: A new tool in the Harappan cities which was used to dig the earth for turning soil and planting seeds was the plough.
हल: हड़प्पा नगरों में एक नया उपकरण जिसका उपयोग मिट्टी को पलटने और बीज बोने के लिए धरती को खोदने के लिए किया जाता था, हल था।

Raw materials: Substances that are either found naturally or produced by farmers/ herders are called raw materials: Raw materials are used to manufacture other materials.
कच्चा माल: पदार्थ जो या तो प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं या किसानों / चरवाहों द्वारा उत्पादित किए जाते हैं, कच्चे माल कहलाते हैं: कच्चे माल का उपयोग अन्य सामग्रियों के निर्माण के लिए किया जाता है।

Rulers: People who planned the construction of special buildings in the city were the rulers.
शासक: नगर में विशेष भवनों के निर्माण की योजना बनाने वाले शासक थे।

Scribes: People who knew how to write were the scribes.
शास्त्री: जो लोग लिखना जानते थे वे शास्त्री थे।

Around 2700 BC, i.e. 4700 years ago: Beginning of cities.
लगभग 2700 ईसा पूर्व, यानी 4700 वर्ष पूर्व: नगरों की शुरुआत।

Around 1900 BC, i.e. 3900 years ago: Beginning of the end of these cities.
लगभग 1900 ईसा पूर्व, यानी 3900 साल पहले: इन शहरों के अंत की शुरुआत।

Around 500 BC, i.e. around 2500 years ago: Beginning of newer cities.
लगभग 500 ईसा पूर्व, यानी लगभग 2500 साल पहले: नए शहरों की शुरुआत।

What Books and Burials Tell Us Chapter-5
किताबें और कब्रें हमें क्या बताती हैं अध्याय-5

Burial Spots of Families: Some burial chambers have more than one skeleton, probably meaning that one chamber was used for many members of the same family. A hole in the wall allowed the chamber to be used over and over again. The burial sites were marked by stones.
परिवारों के दफन स्थान: कुछ दफन कक्षों में एक से अधिक कंकाल होते हैं, शायद इसका अर्थ यह है कि एक कक्ष का उपयोग एक ही परिवार के कई सदस्यों के लिए किया जाता था। दीवार में एक छेद ने कक्ष को बार-बार इस्तेमाल करने की अनुमति दी। दफन स्थलों को पत्थरों से चिह्नित किया गया था।

Battles: Rig Veda tells us about battles fought for land and cattle. People met in assemblies and discussed war and peace. Wealth obtained thereafter was distributed amongst the leaders, priests and people.
युद्ध: ऋग्वेद हमें भूमि और मवेशियों के लिए लड़ी गई लड़ाइयों के बारे में बताता है। लोग सभाओं में मिलते थे और युद्ध और शांति पर चर्चा करते थे। इसके बाद प्राप्त धन को नेताओं, पुजारियों और लोगों के बीच वितरित किया गया।

Vedas: Initially, the Rigveda was not in written form, but was passed on orally. Knowledge passed on in this way is known as 'Shruti'. The Vedic teachers took great care to teach students to pronounce words and memorise hymns correctly.
वेद: प्रारंभ में, ऋग्वेद लिखित रूप में नहीं था, लेकिन मौखिक रूप से पारित किया गया था। इस प्रकार दिया गया ज्ञान 'श्रुति' कहलाता है। वैदिक शिक्षकों ने छात्रों को शब्दों का उच्चारण करने और भजनों को सही ढंग से याद करने के लिए सिखाने पर बहुत ध्यान दिया।

Sanskrit and Other Languages: Scholars have discovered many similarities between Sanskrit and European languages such as Latin, English and German. Historians came to the conclusion that Sanskrit belongs to the Indo-European group of languages. Other languages like Hindi, Kashmiri, Sindhi, etc. also belong to the same group.
संस्कृत और अन्य भाषाएँ: विद्वानों ने संस्कृत और यूरोपीय भाषाओं जैसे लैटिन, अंग्रेजी और जर्मन के बीच कई समानताएँ खोजी हैं। इतिहासकार इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि संस्कृत भाषाओं के इंडो-यूरोपीय समूह से संबंधित है। अन्य भाषाएँ जैसे हिंदी, कश्मीरी, सिंधी आदि भी इसी समूह की हैं।

Skeleton Studies: Study of the bone structure helps to differentiate between male and female skeletons. The hip or the pelvic area of a woman is generally larger than a man.
कंकाल अध्ययन: हड्डी की संरचना का अध्ययन नर और मादा कंकाल के बीच अंतर करने में मदद करता है। एक महिला का कूल्हे या श्रोणि क्षेत्र आम तौर पर एक पुरुष से बड़ा होता है।

Special Burial at Inamgaon: We find burials dated back to 3600 and 2700 years ago. Adults were generally buried in the ground. Special mention may be made of a man who was found buried in a large, four-legged clay jar in the courtyard of a five-roomed house.
इनामगाँव में विशेष दफन: हम 3600 और 2700 साल पहले के दफन पाते हैं। वयस्कों को आमतौर पर जमीन में गाड़ दिया जाता था। एक ऐसे व्यक्ति का विशेष उल्लेख किया जा सकता है जो पांच कमरों के घर के आंगन में एक बड़े, चार पैरों वाले मिट्टी के घड़े में दबा हुआ पाया गया था।

Writing Evidence: First evidence of writing in China was found 3500 years ago. These writings were on animal bones and were called oracle bones. However, the Chinese did not know the use of iron.
लेखन साक्ष्य: चीन में लेखन का पहला प्रमाण 3500 वर्ष पूर्व मिला था। ये लेख जानवरों की हड्डियों पर थे और इन्हें ऑरेकल बोन कहा जाता था। हालाँकि, चीनी लोहे का उपयोग नहीं जानते थे।

Other languages: Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam belong to the Dravidian family and the languages spoken in Jharkhand and parts of Central India belong to the Austro-Asiatic family.
अन्य भाषाएँ: तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम द्रविड़ परिवार से संबंधित हैं और झारखंड और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में बोली जाने वाली भाषाएँ ऑस्ट्रो-एशियाटिक परिवार से संबंधित हैं।

Megaliths: These literally mean big stones, which were used by early men to spot burial sites.
महापाषाण: इनका शाब्दिक अर्थ है बड़े पत्थर, जिनका उपयोग शुरुआती लोगों द्वारा दफन स्थलों को खोजने के लिए किया जाता था।

There are four Vedas: (चार वेद हैं :)

- Rigveda (ऋग्वेद)
- Samaveda (सामवेद)
- Yajurveda (यजुर्वेद)
- Atharvaveda. (अथर्ववेद।)

The oldest one is the Rigveda (3500 years ago). It contains over a thousand hymns ("Suktas"). The Vedas are religious texts of Hinduism. The hymns were composed by rishis and students memorised them. The Rigveda has been written in old (Vedic) Sanskrit. (सबसे पुराना ऋग्वेद (3500 वर्ष पूर्व) है। इसमें एक हजार से अधिक भजन ("सूक्त") शामिल हैं। वेद हिन्दू धर्म के धार्मिक ग्रंथ हैं। भजनों की रचना ऋषियों ने की थी और छात्रों ने उन्हें कंठस्थ कर लिया था। ऋग्वेद प्राचीन (वैदिक) संस्कृत में लिखा गया है।)

The Vedas were written down much later. Students learnt the hymns and passed it on to other generations by memorising and not writing. (वेद बहुत बाद में लिखे गए। छात्रों ने भजनों को सीखा और कंठस्थ करके और न लिखकर इसे अन्य पीढ़ियों तक पहुँचाया।)

The Manuscript of rigveda (ऋग्वेद की पांडुलिपि)

Rigveda contains prayers for cattle, children and horsesf Wealth was distributed among the leaders, priests and other people, according to the Rigveda. 'Yajnas' were performed. Most men took part in wars. (ऋग्वेद में मवेशियों, बच्चों और घोड़ों के लिए प्रार्थनाएँ शामिल हैं, ऋग्वेद के अनुसार, नेताओं, पुजारियों और अन्य लोगों के बीच धन वितरित किया गया था। 'यज्ञ' किए गए। अधिकांश पुरुषों ने युद्धों में भाग लिया।)

The Rigveda divides people in two groups on the basis of their work: the 'brahmins' and the 'rajas'. People or the community as a whole have been referred to as 'jana' or 'vish'. The composers of hymns called themselves 'Aryas', and their opponents 'Dasas'/ 'Dasyus'. (ऋग्वेद लोगों को उनके काम के आधार पर दो समूहों में विभाजित करता है: 'ब्राह्मण' और 'राजस'। लोगों या समग्र रूप से समुदाय को 'जन' या 'विश' के रूप में संदर्भित किया गया है। स्तुतियों के रचयिता स्वयं को 'आर्य' और अपने विरोधियों को 'दास'/'दस्यु' कहते थे।)

Stone boulders as the one in figure are called Megaliths. (पत्थर के शिलाखंड, जैसा कि चित्र में दिखाया गया है, मेगालिथ कहलाते हैं।)

Education is about creating leaders for tomorrow

Megalith (बड़ा पत्थर)

They were used to mark burial sites. This practice was used in the Deccan and Kashmir. Some megaliths are on the surface and some are underground. (उनका उपयोग दफन स्थलों को चिह्नित करने के लिए किया जाता था। इस प्रथा का उपयोग दक्कन और कश्मीर में किया जाता था। कुछ महापाषाण सतह पर हैं और कुछ भूमिगत हैं।)

The dead were buried with distinctive pots, which are called Black and Red Ware. (मृतकों को विशिष्ट बर्तनों के साथ दफनाया गया था, जिन्हें ब्लैक एंड रेड वेयर कहा जाता है।)

People were buried along with several objects. The objects were chosen probably depended upon the status of the person dead. (लोगों को कई वस्तुओं के साथ दफनाया गया था। वस्तुओं का चयन संभवतः मृत व्यक्ति की स्थिति पर निर्भर करता था।)

Families were usually buried together. (परिवारों को आमतौर पर एक साथ दफनाया जाता था।)

In Inamgaon, people were buried with their head towards the north. Vessels containing food and water were placed with them. (इनामगाँव में लोगों का सिर उत्तर की ओर करके दफनाया जाता था। उनके साथ भोजन और पानी वाले बर्तन रखे गए थे।)

Aryas: The people who composed the hymns used the word 'Aryas' for themselves.
आर्य: सूक्त की रचना करने वाले लोग अपने लिए 'आर्य' शब्द का प्रयोग करते थे।

Black and Red-Ware: The two distinctive pots, with which the dead were buried, have been called the Black and the Red Ware.
काला और लाल मृदभांड: जिन दो विशिष्ट मृदभांडों से मृतकों को दफनाया जाता था, उन्हें काला और लाल मृदभांड कहा जाता है।

Brahmins: The priests were referred to as the 'Brahmins'. They performed various rituals.
ब्राह्मण: पुजारियों को 'ब्राह्मण' कहा जाता था। उन्होंने विभिन्न अनुष्ठान किए।

Dasyus/Dasas: The opponents of the 'Aryas' were referred to as 'Dasas'/'Dasyus' by them. This world later meant 'slave'.
दस्यु/दास: 'आर्यों' के विरोधियों को उनके द्वारा 'दास'/'दस्यु' कहा जाता था। इस दुनिया का बाद में मतलब 'गुलाम' था।

Megalith: A stone boulder, used to mark burial site, is referred to as a megalith.
महापाषाण: समाधि स्थल को चिन्हित करने के लिए प्रयुक्त पत्थर के शिलाखंड को महापाषाण कहा जाता है।

Sukta: The hymns of the Vedas were called 'Suktas', which translates into 'well-said'.
सूक्त: वेदों के मन्त्रों को 'सूक्त' कहा जाता था, जिसका अनुवाद 'सुक्त' में होता है।

About 3600 years ago – beginning of the settlement of Inamgaon.
लगभग 3600 वर्ष पूर्व - इनामगाँव की बसावट की शुरुआत।

About 3500 years ago (i.e. circa 1500 B.C.) – beginning of composition of the oldest of the Vedas, the Rigveda.
लगभग 3500 वर्ष पूर्व (अर्थात् लगभग 1500 ई.पू.) - सबसे प्राचीनतम वेद, ऋग्वेद की रचना का प्रारंभ।

About 3000 years ago (i.e. circa 1,000 B.C.) – beginning of the building of megaliths.
लगभग 3000 वर्ष पूर्व (अर्थात् लगभग 1,000 ई.पू.) – महापाषाणों के निर्माण की शुरुआत।

Around 2700 years ago (i.e. circa 700 B.C.) – end of settlement at Inamgaon.
लगभग 2700 साल पहले (यानी लगभग 700 ईसा पूर्व) - इनामगाँव में बसावट का अंत।

Around 2000 years ago – Charaka wrote 'Charaka Samhita'.
लगभग 2000 वर्ष पूर्व - चरक ने 'चरक संहिता' की रचना की।

Less than 200 years ago (in the 19th century A.D.) – printing of the Rigveda for the first time.
200 साल से भी कम समय पहले (19वीं शताब्दी ई. में) - पहली बार ऋग्वेद का मुद्रण।

United Liberal Foundation
Education is about creating leaders for tomorrow

Kingdoms, Kings and an Early Republic Chapter 6
साम्राज्य, राजा और प्रारंभिक गणराज्य अध्याय 6

Janapadas: The powerful kings who performed big sacrifices and later ruled larger territories termed as Janapadas. The term "Janapada" literally means 'foothold of a tribe'. A Janapada could be a republic like Vajji or a monarchy like Magadha.
जनपद: शक्तिशाली राजा जिन्होंने बड़े बलिदान किए और बाद में जनपद कहे जाने वाले बड़े क्षेत्रों पर शासन किया। "जनपद" शब्द का शाब्दिक अर्थ है 'जनजाति की तलहटी'। जनपद वज्जी जैसा गणतंत्र या मगध जैसा राजतंत्र हो सकता है।

Vamas: Later, Vedic texts like Samaveda, Yajurveda and Atharvaveda mentioned certain rules about the society. There were different groups in the society such as priests and warriors, farmers, herders, traders, craftspersons and labourers.
वमास: बाद में, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद जैसे वैदिक ग्रंथों में समाज के बारे में कुछ नियमों का उल्लेख किया गया है। समाज में विभिन्न समूह थे जैसे पुजारी और योद्धा, किसान, चरवाहे, व्यापारी, शिल्पकार और मजदूर।

Varna Hierarchy: The priests divided people into four groups called vamas. Each Varna had different sets of functions.
वर्ण पदानुक्रम: पुजारियों ने लोगों को चार समूहों में विभाजित किया जिन्हें वर्ण कहा जाता था। प्रत्येक वर्ण के कार्यों के अलग-अलग सेट थे।

Selection of the Rulers: In ancient India, some of the rajas were probably chosen by the Jana, the People. Some changes regarding the election of the Raja took place around 3,000 years ago. Some men performed Ashvamedha sacrifice and came to be recognised as rajas.
शासकों का चयन: प्राचीन भारत में, कुछ राजाओं को शायद जन द्वारा चुना गया था । राजा के चुनाव के संबंध में कुछ बदलाव लगभग 3,000 साल पहले हुए थे। कुछ पुरुषों ने अश्वमेध यज्ञ किया और उन्हें रजस के रूप में पहचाना जाने लगा।)

Gana: This was the method of rule in early centuries where members of society met in assemblies and decided about administration through discussions and debates.
गण: प्रारंभिक शताब्दियों में यह शासन की पद्धति थी जहां समाज के सदस्य सभाओं में मिलते थे और चर्चा और बहस के माध्यम से प्रशासन के बारे में निर्णय लेते थे।

Mahajanapadas: A Mahajanapada was usually ruled from its capital city. There was intense rivalry among the Mahajanapadas, resulting in frequent wars. Huge walls made of mud, stone, wood or bricks were used to fortify these capital cities.
महाजनपद: एक महाजनपद आमतौर पर अपनी राजधानी शहर से शासित होता था। महाजनपदों के बीच तीव्र प्रतिद्वंद्विता थी, जिसके परिणामस्वरूप बार-बार युद्ध होते थे। इन राजधानी नगरों की किलेबंदी के लिए मिट्टी, पत्थर, लकड़ी या ईंटों की विशाल दीवारों का प्रयोग किया जाता था।

Taxes: Money was required by new rajas for building forts and armies. They started collecting regular taxes from the people. The tax could be paid either in cash or in kind.
कर: नए राजाओं को किलों और सेनाओं के निर्माण के लिए धन की आवश्यकता होती थी। वे लोगों से नियमित कर वसूलने लगे। कर का भुगतान या तो नकद या वस्तु के रूप में किया जा सकता था।

Changes in Agriculture: Agriculture prospered in most of the Mahajanapadas as they were located in fertile areas. Two major changes came in agriculture. One was the increasing use of the iron plough. Secondly, people began transplanting paddy which led to increased production.
कृषि में परिवर्तन: अधिकांश महाजनपदों में कृषि समृद्ध हुई क्योंकि वे उपजाऊ क्षेत्रों में स्थित थे। कृषि में दो बड़े बदलाव

United Liberal Foundation
Education is about creating leaders for tomorrow

आए। एक था लोहे के हल का बढ़ता प्रयोग। दूसरे, लोगों ने धान की रोपाई शुरू की जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई।

Around 3000 years ago, there were some new ways of choosing 'rajas'. Some men became 'rajas' by performing big sacrifices. One of such rituals was 'ASHVAMEDHA' (horse sacrifice). The 'raja' was an important figure.
लगभग 3000 वर्ष पहले, 'रजस' चुनने के कुछ नए तरीके थे। कुछ पुरुष बड़े-बड़े यज्ञ करके 'राजस' बन गए। ऐसा ही एक अनुष्ठान 'अश्वमेध' (घोड़े की बलि) था। 'राजा' एक महत्वपूर्ण व्यक्ति था।

Kingdoms were usually called the 'Janapadas', which were ruled by the 'rajas'. People lived in huts and kept animals. They grew a variety of crops. (राज्यों को आमतौर पर 'जनपद' कहा जाता था, जिन पर 'राज' का शासन था। लोग झोपड़ियों में रहते थे और जानवर पालते थे। वे तरह-तरह की फसलें उगाते थे।)

Some 'janapadas' later became more important than others, and they were called 'Mahajanapadas'. The capital cities were fortified. (कुछ 'जनपद' बाद में दूसरों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हो गए, और उन्हें 'महाजनपद' कहा जाने लगा। राजधानियों की किलेबंदी की गई।)

The new 'rajas' began maintaining armies. Payments were made using punchmarked coins. (नए 'राजाओं' ने सेनाएँ रखनी शुरू कर दीं। पंचमार्क वाले सिक्कों का इस्तेमाल कर भुगतान किया जाता था।)

Coins (सिक्के)

The 'rajas' needed resources to build forts and to maintain armies. Officials were supposed to collect taxes from people. Taxes were in the form of crops, labour, animals and their produce, etc. ('राजाओं' को किले बनाने और सेना बनाए रखने के लिए संसाधनों की आवश्यकता थी। अधिकारियों को लोगों से कर वसूल करना था। कर फसलों, श्रम, पशुओं और उनकी उपज आदि के रूप में थे।)

There were changes in agriculture too. The use of Iron Ploughshares increased, thus enhancing grain production. People started transplanting paddy. This also increased production. (कृषि में भी परिवर्तन हुए। लोहे के फाल के प्रयोग में वृद्धि हुई, जिससे अनाज उत्पादन में वृद्धि हुई। लोग धान की रोपाई करने लगे। इससे उत्पादन भी बढ़ा।)

Magadha became the most important 'mahajanapada' in about 200 years. Transport, water supplies, fertility, forests, elephants, mines, etc. made Magadha important. (लगभग 200 वर्षों में मगध सबसे महत्वपूर्ण 'महाजनपद' बन गया। परिवहन, जल आपूर्ति, उर्वरता, जंगल, हाथी, खान आदि ने मगध को महत्वपूर्ण बना दिया।)

The two powerful rulers of Magadha, Bimbisara and Ajatasattu used all possible means to conquer other 'janapadas'. Rajagriha was the capital of Magadha. Later it was Pataliputra (now Patna).

Vajji was another kingdom with its capital at Vaishali (Bihar). It had a different form of government called 'gana'/'sangha', which had not one, but many rulers. These rulers performed rituals together and met in assemblies. Buddhist books depict life in the 'sanghas'. (मगध, बिंबिसार और अजातसत्तु के दो शक्तिशाली शासकों ने अन्य 'जनपदों' को जीतने के लिए हर संभव साधन का इस्तेमाल किया। मगध की राजधानी राजगृह थी। बाद में यह पाटलिपुत्र (अब पटना) था।

वज्जी वैशाली (बिहार) में अपनी राजधानी के साथ एक और राज्य था। इसकी सरकार का एक अलग रूप था जिसे 'गण'/'संघ' कहा जाता था, जिसमें एक नहीं, बल्कि कई शासक थे। इन शासकों ने एक साथ अनुष्ठान किए और सभाओं में मिले। बौद्ध पुस्तकें 'संघ' में जीवन का चित्रण करती हैं।)

'Rajas' of powerful kingdoms tried to conquer the 'sanghas'. (शक्तिशाली राज्यों के 'राजाओं' ने 'संघों' को जीतने की कोशिश की।)

'Ashvamedha': (horse sacrifice) this was ritual in which a horse was let loose to wander freely and it was guarded by the 'rajas' men. If the horse entered other kingdoms, there would be a duel between the two kings.
अश्वमेध': (घोड़े की बलि) यह एक अनुष्ठान था जिसमें एक घोड़े को स्वतंत्र रूप से घूमने के लिए छोड़ दिया जाता था और इसकी रक्षा 'राज' पुरुषों द्वारा की जाती थी। यदि घोड़ा अन्य राज्यों में प्रवेश करता, तो दोनों राजाओं के बीच द्वंद्व होता।

'Bhaga': Taxes on crops (1/6 of the produce) was called 'bhaga'.
भाग': फसलों पर कर (उत्पाद का 1/6) 'भगा' कहलाता था।

'Gana'/'Sangha': A form of government followed in the kingdom of Vajji.
'गण'/'संघ': वज्जी के राज्य में सरकार का एक रूप अपनाया जाता था।

'Janapadas': Kingdoms were referred to as 'janapadas'. ('Jana' – land, 'pada' – foot).
जनपद': राज्यों को 'जनपद' कहा जाता था। ('जन' - भूमि, 'पाद' - पैर

'Mahajanapada': The most important of the 'janapadas'.
महाजनपद': 'जनपदों' में सबसे महत्वपूर्ण।

'Varnas': Each of the four categories of society, based on occupation and decided by birth, was referred to as 'Varnas'.
वर्ण': समाज की चार श्रेणियों में से प्रत्येक, व्यवसाय पर आधारित और जन्म से तय की गई, को 'वर्ण' कहा जाता था।

About 3000 years ago (around 1000 B.C.) – new kinds of 'rajas'.
लगभग 3000 वर्ष पूर्व (लगभग 1000 ई.पू.) - नए प्रकार के 'रजस'।

About 2500 years ago (around 500 B.C.) – formation of 'mahaj'anapadas'.
लगभग 2500 वर्ष पूर्व (लगभग 500 ई.पू.) - महाजनपदों का निर्माण।

About 2300 years ago (around 300 B.C.) – the invasion of Alexander the Great.
लगभग 2300 वर्ष पूर्व (लगभग 300 ईसा पूर्व) – सिकंदर महान का आक्रमण।

United Liberal Foundation
Education is about creating leaders for tomorrow

New Questions and Ideas Chapter 7
नए प्रश्न और विचार अध्याय 7

The Sangha: Both Mahavira and Buddha felt that only those who gave up worldly life and became monks could gain true knowledge. They set up organisations called Sanghas where these monks spent much of their time on religious studies and meditation.
संघ: महावीर और बुद्ध दोनों का मानना था कि केवल वे ही जो सांसारिक जीवन को छोड़कर भिक्षु बन गए हैं, सच्चा ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने संघ नामक संस्थाएँ स्थापित कीं जहाँ इन भिक्षुओं ने अपना अधिकांश समय धार्मिक अध्ययन और ध्यान में व्यतीत किया।

Monasteries: fain and Buddhist monks went from place to place, and therefore, the need for more permanent shelters was felt. As a result, monasteries were built, which were known as Viharas.
मठ: फेन और बौद्ध भिक्षु एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते थे, और इसलिए, अधिक स्थायी आश्रयों की आवश्यकता

महसूस की गई। परिणामस्वरूप, मठों का निर्माण हुआ, जिन्हें विहार कहा जाता था।

Four Ashramas: In Upanishadic times, the life of an upper-caste man was divided into four stages called Ashramas. These were Brahmacharya, Grihastha, Vanaprastha and Sanyasa. Brahmin, Kshatriya and Vaishya men were expected to lead their lives according to them, but this was not followed rigidly.
चार आश्रम: उपनिषद काल में, एक उच्च जाति के व्यक्ति के जीवन को चार चरणों में विभाजित किया गया था जिसे आश्रम कहा जाता था। ये थे ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और सन्यास। ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य पुरुषों से अपेक्षा की जाती थी कि वे उनके अनुसार अपना जीवन व्यतीत करेंगे, लेकिन इसका कठोरता से पालन नहीं किया गया।

Teachings of Mahavira: Mahavira believed that a person's position in life depends on the karma of his previous life. He preached ahimsa. He instructed his followers not to lie, steal or kill. His followers were known as 'Jains', who led simple lives and begged for food.
महावीर की शिक्षाएँ: महावीर का मानना था कि जीवन में किसी व्यक्ति की स्थिति उसके पिछले जीवन के कर्मों पर निर्भर करती है। उन्होंने अहिंसा का प्रचार किया। उन्होंने अपने अनुयायियों को झूठ, चोरी या हत्या न करने का निर्देश दिया। उनके अनुयायियों को 'जैन' के रूप में जाना जाता था, जो साधारण जीवन व्यतीत करते थे और भोजन के लिए भीख माँगते थे।

Buddha: Gautama (Siddhartha), the founder of Buddhism, was born at Lumbini about 2500 years ago. During those days, certain changes took place in the society of the Mahajanapadas. Dissatisfied with such changes, many thinkers gave up worldly life, went to forests for meditation and Buddha sought the true meaning of life.
बुद्ध: बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम (सिद्धार्थ) का जन्म लगभग 2500 वर्ष पूर्व लुंबिनी में हुआ था। उन दिनों महाजनपदों के समाज में कुछ परिवर्तन हुए। ऐसे परिवर्तनों से असंतुष्ट होकर अनेक विचारकों ने सांसारिक जीवन त्याग दिया, साधना के लिए वनों में चले गए और बुद्ध ने जीवन के सही अर्थ की खोज की।

Buddha's Enlightenment: He left home at the age of 30 and attained enlightenment under a 'peepal tree' at Bodh Gaya in Bihar. Buddha delivered his first sermon at Sarnath. He preached in Prakrit, the language spoken by the common people.
बुद्ध का ज्ञानोदय: उन्होंने 30 वर्ष की आयु में घर छोड़ दिया और बिहार के बोधगया में एक 'पीपल के पेड़' के नीचे ज्ञान प्राप्त किया। बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया था। उन्होंने प्राकृत में प्रचार किया, जो आम लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा थी।

Education is about creating leaders for tomorrow

Upanishads: Various thinkers tried to find answers to difficult questions. These thinkers were of the view that there was the atman or the individual soul and the Brahmin or the universal soul. Upanishads give much importance to Brahmin, the universal soul.
उपनिषद : विभिन्न विचारकों ने कठिन प्रश्नों के उत्तर खोजने का प्रयास किया। इन विचारकों का विचार था कि आत्मा या व्यक्तिगत आत्मा और ब्राह्मण या सार्वभौमिक आत्मा थी। उपनिषद ब्राह्मण, सार्वभौमिक आत्मा को बहुत महत्व देते हैं।

Jainism: Jainism was founded by Vardhamana Mahavira of the Vajji Gana-sangha. He left home at the age of 30 and went to live in the forest. For many years, he led a hard and lonely life but finally attained enlightenment.
जैन धर्म: जैन धर्म की स्थापना वज्जी गण-संघ के वर्धमान महावीर ने की थी। 30 वर्ष की आयु में उन्होंने घर छोड़ दिया और जंगल में रहने चले गए। कई वर्षों तक उन्होंने एक कठिन और एकाकी जीवन व्यतीत किया लेकिन अंत में उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई।

Siddhartha (Gautama), who founded Buddhism, was born about, 2500 years ago. He belonged to a 'gana' called the Sakya 'gana'. (बौद्ध धर्म की स्थापना करने वाले सिद्धार्थ (गौतम) का जन्म लगभग 2500 वर्ष पूर्व

हुआ था। वह एक 'गण' से संबंधित था जिसे शाक्य 'गण' कहा जाता था।)

He left his home in search of knowledge. He meditated and got enlightened in Bodh Gaya in Bihar. He preached for the first time in Sarnath. He preached of sufferings and unhappiness in life. He taught in the language of the ordinary people, Prakrit. (उन्होंने ज्ञान की खोज में अपना घर छोड़ दिया। उन्होंने बिहार के बोधगया में ध्यान किया और ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने पहली बार सारनाथ में उपदेश दिया। उन्होंने जीवन में कष्टों और दुखों का उपदेश दिया। उन्होंने सामान्य लोगों की भाषा प्राकृत में शिक्षा दी।)

Other thinkers also wanted to know about life after death and about sacrifices. Their ideas were recorded in the Upanishads, part of the later Vedic texts. (अन्य विचारक भी मृत्यु के बाद के जीवन और बलिदानों के बारे में जानना चाहते थे। उनके विचार बाद के वैदिक ग्रंथों के हिस्से उपनिषदों में दर्ज किए गए थे।)

Gargi was a woman thinker. Satyakama Jabala was a slave thinker. (गार्गी एक विचारक महिला थीं। सत्यकाम जाबाला एक गुलाम चिंतक था।)

The founder of Jainism was Vardhamana Mahavira. He was in the Vajji 'sangha'. He also led a life similar to that of Buddha. He said that those who wish to know the truth must leave their homes. He spoke of 'ahimsa'. He taught in Prakrit (जैन धर्म के संस्थापक वर्धमान महावीर थे। वे वज्जि 'संघ' में थे। उन्होंने भी बुद्ध के समान जीवन व्यतीत किया। उन्होंने कहा कि जो सच जानना चाहते हैं उन्हें अपना घर छोड़ देना चाहिए। उन्होंने 'अहिंसा' की बात की। उन्होंने प्राकृत में पढ़ाया)

Jainas had to lead very simple lives, begging for food, being honest and men had to shed their clothes. The Jainism teachings were written for the first time about 1500 years ago. (जैनों को बहुत सादा जीवन व्यतीत करना पड़ता था, भोजन के लिए भीख माँगना पड़ता था, ईमानदार होना पड़ता था और पुरुषों को अपने वस्त्र त्यागने पड़ते थे। जैन धर्म के उपदेश लगभग 1500 साल पहले पहली बार लिखे गए थे।)

The rules for the Buddhist 'Sangha' were written down in a book called the Vinaya Pitaka. (बौद्ध 'संघ' के नियमों को विनयपिटक नामक पुस्तक में लिखा गया था।)

Monks of Buddhism and Jainism started living in monasteries known at 'Viharas'. The earliest 'Viharas' were made of wood and then brick. (बौद्ध और जैन धर्म के भिक्षु 'विहार' नामक मठों में रहने लगे। सबसे पुराने 'विहार' लकड़ी और फिर ईंट के बने थे।)

Education is about creating leaders for tomorrow

Ahimsa: The Jain rule of 'ahimsa' means not hurting or killing living beings. According to Mahavira, each living being "longs to live".
अहिंसा: 'अहिंसा' के जैन नियम का अर्थ है जीवित प्राणियों को चोट पहुँचाना या मारना नहीं। महावीर के अनुसार, प्रत्येक जीव "जीने की लालसा" रखता है।

Atman: The individual soul which remains permanent in the universe even after we die was called 'atman' by the thinkers.
आत्मान: व्यक्ति की आत्मा जो हमारे मरने के बाद भी ब्रह्मांड में स्थायी रहती है, उसे विचारकों द्वारा 'आत्मान' कहा जाता है।

Buddhism: The religion founded by the Buddha (Gautama/Siddhartha) was Buddhism.
बौद्ध धर्म: बुद्ध (गौतम/सिद्धार्थ) द्वारा स्थापित धर्म बौद्ध धर्म था।

Jainism: The religion founded by Vardhamana Mahavira is called Jainism. **जैन धर्म:** वर्धमान महावीर द्वारा स्थापित धर्म को जैन धर्म कहा जाता है।

Karma: Our actions have been referred to by Buddha as 'Karma'. Buddha said our 'Karma' – good or bad – affect us both in this life and the next life.
कर्म: हमारे कर्मों को बुद्ध ने 'कर्म' कहा है। बुद्ध ने कहा कि हमारे 'कर्म' - अच्छा या बुरा - हमें इस जीवन और अगले जीवन दोनों में प्रभावित करते हैं।

Tanha: The desire for more things have been described by the Buddha as thirst or 'tanha'.
तन्हा: अधिक चीजों की इच्छा को बुद्ध ने प्यास या 'तन्हा' के रूप में वर्णित किया है।

Upanishads: The Upanishads were part of the later Vedic texts. The word literally means 'approaching and sitting near'.
उपनिषद: उपनिषद बाद के वैदिक ग्रंथों का हिस्सा थे। शब्द का शाब्दिक अर्थ है 'आना और पास बैठना'।

Viharas: The monasteries where monks lives were called 'Viharas'.
विहार: जिन मठों में भिक्षु रहते हैं, उन्हें 'विहार' कहा जाता था।

Around 2500 years ago (about 500 BC) – Upanishadic thinkers preached.
(**लगभग 2500 वर्ष पूर्व** (लगभग 500 ईसा पूर्व) – उपनिषदिक विचारकों ने उपदेश दिया।)

Around 2500 years ago (about 500 BC) – Mahavira and the Buddha preached.
(**लगभग 2500 साल पहले** (लगभग 500 ईसा पूर्व) - महावीर और बुद्ध ने उपदेश दिया।)

Around 1500 years ago (about 500 AD) – the Jaina texts were written down.
(लगभग 1500 वर्ष पूर्व (लगभग 500 ई.) - जैन ग्रंथ लिखे गए।)

Ashoka, the Emperor Who Gave Up War Chapter 8
अशोक, सम्राट जिसने युद्ध छोड़ दिया अध्याय 8

United Liberal Foundation
Education is about creating leaders for tomorrow

Ashoka, a Unique Ruler: Ashoka was the first ruler in the history of the world, who gave directions to the people through inscriptions. Most of Ashoka's inscriptions were in Prakrit and were written in Brahmi script.
अशोक, एक अद्वितीय शासक: अशोक विश्व के इतिहास में पहला शासक था, जिसने शिलालेखों के माध्यम से लोगों को दिशा-निर्देश दिए। अशोक के अधिकांश शिलालेख प्राकृत में थे और ब्राह्मी लिपि में लिखे गए थे।

Ashoka's views on Kalinga: Ashoka tried to conquer Kalinga. However, the violence and bloodshed led him. To decide not to fight any more wars.
कलिंग पर अशोक के विचार: अशोक ने कलिंग पर विजय प्राप्त करने का प्रयास किया। हालाँकि, हिंसा और रक्तपात ने उसे आगे बढ़ाया। कोई और युद्ध न लड़ने का निर्णय लेने के लिए।

Ashoka's Dhamma: These were the set of instructions given by Ashoka to his subjects, which were inspired by Buddha's teachings. He appointed officials and Dhamma Mahamatta, who taught people about 'dhamma', which was one of the ways to make the society a better one.
अशोक का धम्म: ये अशोक द्वारा अपनी प्रजा को दिए गए निर्देशों का समूह थे, जो बुद्ध की शिक्षाओं से प्रेरित थे। उन्होंने अधिकारियों और धम्म महामत्त की नियुक्ति की, जिन्होंने लोगों को 'धम्म' के बारे में सिखाया, जो समाज को बेहतर बनाने के तरीकों में से एक था।

The Capital City: We come to know about the capital through Megasthenes, who was an ambassador sent to the court of Chandragupta by the Greek ruler of West Asia, Seleucus Nicator.

राजधानी शहर: हमें राजधानी के बारे में मेगस्थनीज के माध्यम से पता चलता है, जो पश्चिम एशिया के ग्रीक शासक सेल्यूकस निकेटर द्वारा चंद्रगुप्त के दरबार में भेजा गया एक राजदूत था।

Ashoka's Messages to his Subjects: Ashoka got his messages inscribed on rocks and pillars. He also sent messengers to spread the Dhamma to other lands such as Syria, Egypt, Greece and Sri Lanka. **अपनी प्रजा को अशोक का सन्देश:** अशोक ने अपने सन्देश शिलाओं और स्तंभों पर खुदवाए। उसने धम्म को सीरिया, मिस्र, ग्रीस और श्रीलंका जैसे अन्य देशों में फैलाने के लिए दूत भी भेजे।

The First Empire: Chandragupta Maurya founded the Mauryan Empire about 2300 years ago. He was supported by Chanakya or Kautilya whose ideas were written down in a book called Arthashastra. **प्रथम साम्राज्य**: चंद्रगुप्त मौर्य ने लगभग 2300 वर्ष पूर्व मौर्य साम्राज्य की स्थापना की थी। उन्हें चाणक्य या कौटिल्य का समर्थन प्राप्त था जिनके विचारों को अर्थशास्त्र नामक पुस्तक में लिखा गया था।

Chandragupta Maurya founded an empire more than 2300 years ago. His grandson Ashoka ruled the empire later. (चंद्रगुप्त मौर्य ने 2300 साल पहले एक साम्राज्य की स्थापना की थी। उनके पोते अशोक ने बाद में साम्राज्य पर शासन किया।)

Chandragupta was supported by a wise man called Chanakya or Kautilya who wrote a book Arthashastra. (चंद्रगुप्त को चाणक्य या कौटिल्य नामक एक बुद्धिमान व्यक्ति द्वारा समर्थित किया गया था जिन्होंने अर्थशास्त्र की एक पुस्तक लिखी थी।)

The Mauryan Empire had several important cities like the capital Pataliputra, Taxila, Ujjain, etc. (मौर्य साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र, तक्षशिला, उज्जैन आदि कई महत्वपूर्ण शहर थे।)

The area adjacent to the capital was under the direct control of the emperor. Officials were used to collecting taxes. There were other areas or provinces which had their own provincial capitals. According to Arthashastra, the northwest was important for blankets, and south India for gold and precious stones. (राजधानी से लगा हुआ क्षेत्र सीधे सम्राट के नियंत्रण में था। अधिकारी कर वसूलने के आदी थे। अन्य क्षेत्र या प्रांत थे जिनकी अपनी प्रांतीय राजधानियाँ थीं। अर्थशास्त्र के अनुसार, उत्तर पश्चिम कंबल के लिए और दक्षिण भारत सोने और कीमती पत्थरों के लिए महत्वपूर्ण था।)

Education is about creating leaders for tomorrow

The most famous of the Mauryan emperors was Ashoka. He sent his message to the general public through inscriptions written in Prakrit (in Brahmi script). (मौर्य सम्राटों में सबसे प्रसिद्ध अशोक था। उन्होंने प्राकृत (ब्राह्मी लिपि में) में लिखे शिलालेखों के माध्यम से आम जनता को अपना संदेश भेजा।)

Ashoka fought a war in the quest to conquer Kalinga (present-day Orissa). But the violence and bloodshed in the war touched him and he became the only king who gave up conquest forever after winning a war. (अशोक ने कलिंग (वर्तमान उड़ीसा) को जीतने की चाह में युद्ध लड़ा। लेकिन युद्ध में हुई हिंसा और रक्तपात ने उन्हें छू लिया और वे एकमात्र ऐसे राजा बन गए जिन्होंने युद्ध जीतने के बाद हमेशा के लिए जीतना छोड़ दिया।)

Ashoka believed he had a responsibility to instruct his subjects, which he did through his 'DHAMMA'. He was a Buddhist. He appointed officials called as 'DHAMMA MAHAMATTA' who went to places teaching people about 'DHAMMA'. He got his messages inscribed on rocks and pillars as well. (अशोक का मानना था कि अपनी प्रजा को निर्देश देना उसका उत्तरदायित्व है, जिसे उसने अपने 'धम्म' के माध्यम से पूरा किया। वह एक बौद्ध था। उन्होंने 'धम्म महामत्ता' नामक अधिकारियों को नियुक्त किया जो लोगों को 'धम्म' के बारे में पढ़ाने के लिए गए थे। उन्होंने अपने संदेश चट्टानों और स्तंभों पर भी खुदवाए।)

Ashoka built roads, dug wells, and built rest-houses. He arranged for the treatment of unwell humans

and animals. (अशोक ने सड़कें बनवाईं, कुएं खुदवाए और विश्राम गृह बनवाए। उन्होंने अस्वस्थ मनुष्यों और पशुओं के उपचार की व्यवस्था की।)

Brahmi: It was a script used to write inscription in Ashoka's time.
ब्राह्मी: यह एक लिपि थी जिसका उपयोग अशोक के समय में शिलालेख लिखने के लिए किया जाता था।

Dhamma: Ashoka's ideas which he wanted to use to instruct his subjects were called The 'dhamma'.
धम्म: अशोक के विचार जो वह अपनी प्रजा को निर्देश देने के लिए उपयोग करना चाहते थे, कहलाते थे 'धम्म'।

Dhamma Mahamatta: The officials Ashoka sent from place to place to teach the people his 'dhamma' were called 'dhamma mahamatta'.
धम्म महामत्त: लोगों को अपना 'धम्म' सिखाने के लिए अशोक ने जिन अधिकारियों को जगह-जगह भेजा, उन्हें 'धम्म महामत्त' कहा गया।

The Arthashastra: Chanakya's book 'Arthashastra' contains his ideas.
अर्थशास्त्र: चाणक्य की पुस्तक 'अर्थशास्त्र' में उनके विचार हैं।

Around 2300 years ago (about 300 B.C.) – Chandragupta Maurya founded the Maurya empire.
(लगभग 2300 वर्ष पूर्व (लगभग 300 ईसा पूर्व) – चंद्रगुप्त मौर्य ने मौर्य साम्राज्य की स्थापना की थी।)

273 B.C. – Ashoka's region began.
273 ई.पू. – अशोक का राज्य प्रारम्भ हुआ।

232 B.C. – Ashoka's death.
232 ई.पू. - अशोक की मृत्यु।

185 B.C. – the end of the Mauryan Empire.
185 ई.पू. – मौर्य साम्राज्य का अंत।

United Liberal Foundation
Education is about creating leaders for tomorrow

Vital Villages, Thriving Towns Chapter 9
महत्वपूर्ण गाँव, फलते-फूलते शहर अध्याय 9

Iron Tools and Agriculture: Iron came into use around 3000 years ago. About 2500 years ago, the use of iron tools increased. These included axes for clearing forests and expanding land and iron ploughshare in increasing production.
लोहे के औजार और कृषि: लोहे का प्रयोग लगभग 3000 वर्ष पूर्व हुआ। लगभग 2500 वर्ष पूर्व लोहे के औजारों का प्रयोग बढ़ा। इनमें वनों को साफ करने और भूमि का विस्तार करने के लिए कुल्हाड़ियाँ और उत्पादन बढ़ाने के लिए लोहे के फाल शामिल थे।

Landowners and Labourers: In the south, large landowners (Vellalar), ploughmen (Ezhava), landless labourers and slaves (kadaisiyar and adimai) were amongst the main community members. In the northern parts, the village headman (grama bhojaka) was hereditary, who was the biggest landowner and used to collect taxes for the King.
जमींदार और मजदूर: दक्षिण में, बड़े जमींदार (वेल्लर), हल चलाने वाले (एझावा), भूमिहीन मजदूर और गुलाम (कदैसियार और आदिमाई) मुख्य समुदाय के सदस्य थे। उत्तरी भागों में, गाँव का मुखिया (ग्राम भोजक) वंशानुगत था, जो सबसे बड़ा

ज़मींदार था और राजा के लिए कर वसूल करता था।)

The Earliest Tamil Compositions: Sangam literature was composed 2300 years ago. It was called as Sangao because it was written and compiled in Assemblies known as Sangams of Poets which were held in the city of Madurai.
प्राचीनतम तमिल रचनाएँ: संगम साहित्य की रचना 2300 वर्ष पूर्व हुई थी। इसे सांगाओ कहा जाता था क्योंकि यह मदुरई शहर में आयोजित कवियों के संगम के रूप में जानी जाने वाली सभाओं में लिखा और संकलित किया गया था।

Findings of Cities: Jatakas were stories composed by ordinary people, but written and preserved by Bud chest monks. Other kinds of evidence to find out about life in some of the early cities are sculptors' carved scenes depicting people's lives.
नगरों की खोज: जातक सामान्य लोगों द्वारा रचित कहानियाँ थीं, लेकिन बड चेस्ट भिक्षुओं द्वारा लिखी और संरक्षित की गई थीं। कुछ शुरुआती शहरों में जीवन के बारे में पता लगाने के लिए अन्य प्रकार के साक्ष्य लोगों के जीवन को दर्शाने वाले मूर्तिकारों के नक्काशीदार दृश्य हैं।

Cities and Travel Accounts: Another way of finding out about early cities is from the accounts of sailors and travellers who visited these cities and kingdoms.
शहर और यात्रा वृत्तांत: प्रारंभिक शहरों के बारे में पता लगाने का एक अन्य तरीका उन नाविकों और यात्रियों के वृत्तांतों से है, जिन्होंने इन शहरों और राज्यों का दौरा किया था।

Coins: Punch marked coins, which were in use for about 500 years, were called so because the designs were punched on to the metal- silver or copper.
सिक्के: पंचमार्क सिक्के, जो लगभग 500 वर्षों तक उपयोग में थे, इसलिए कहलाए गए क्योंकि डिजाइन धातु-चांदी या तांबे पर पंच किए गए थे।

Cities and its Functions: Mathura was important because it was located on the crossroads of two major routes of travel and trade from the North-West to the East and from the North to South. Mathura was also a production centre of fine sculptures.
शहर और उसके कार्य: मथुरा महत्वपूर्ण था क्योंकि यह उत्तर-पश्चिम से पूर्व और उत्तर से दक्षिण तक यात्रा और व्यापार के दो प्रमुख मार्गों के चौराहे पर स्थित था। मथुरा ललित मूर्तियों का उत्पादन केंद्र भी था।

Crafts and Craft persons: Extremely fine potteries known as the Northern Black Polished ware were produced. There were famous centres such as Varanasi in the North, and Madurai in the South.
शिल्प और शिल्पकार: उत्तरी काले पॉलिश वाले बर्तन के रूप में जाने जाने वाले अत्यंत महीन मिट्टी के बर्तनों का उत्पादन किया गया। उत्तर में वाराणसी और दक्षिण में मदुरै जैसे प्रसिद्ध केंद्र थे।

Arikamedu: Between 2200 and 1900 years ago, Arikamedu was a coastal settlement where ships unloaded goods from distant lands. A massive brick structure, which may have been a warehouse, was found at the site.
अरिकामेडु: 2200 और 1900 साल पहले के बीच, अरिकामेडु एक तटीय बस्ती थी जहां जहाज दूर देशों से सामान उतारते थे। साइट पर एक विशाल ईंट संरचना, जो एक गोदाम हो सकता है, पाया गया।

In the Indian subcontinent, use of iron began about 3000 years ago. It developed more and more 2500 years ago. Axes and the iron ploughshare became popular. (भारतीय उपमहाद्वीप में लोहे का प्रयोग लगभग 3000 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ। यह 2500 साल पहले अधिक से अधिक विकसित हुआ। कुल्हाड़ी और लोहे के फाल लोकप्रिय हो गए।)

New tools and the system of transplantation increased production, and irrigation also came into use.

(नए औजारों और रोपाई की प्रणाली से उत्पादन में वृद्धि हुई और सिंचाई का भी उपयोग होने लगा।)

In the Tamil region, there existed three kinds of people—the large landowners, the ordinary ploughmen and the landless labourers (including slaves). (तमिल क्षेत्र में, तीन प्रकार के लोग मौजूद थे- बड़े ज़मींदार, साधारण हल चलाने वाले और भूमिहीन मज़दूर (गुलामों सहित)।)

In northern India, the village headman, independent farmers, workers, etc. lived in villages. (उत्तरी भारत में ग्राम प्रधान, स्वतंत्र किसान, श्रमिक आदि गाँवों में रहते थे।)

The Jatakas were stories that were composed presumably by ordinary people and written down and preserved by Buddhist monks. (जातक ऐसी कहानियाँ थीं जो संभवतः सामान्य लोगों द्वारा रचित थीं और बौद्ध भिक्षुओं द्वारा लिखी और संरक्षित की गई थीं।)

These tales give light on the life of people in these times. (ये कहानियाँ आज के समय में लोगों के जीवन पर प्रकाश डालती हैं।)

Ring wells (rows of pots or ceramic rings arranged one on top of the other) have been found in several cities. They were probably used as toilets or drains and garbage dumps. (कई शहरों में रिंग वेल (बर्तनों की पंक्तियाँ या चीनी मिट्टी के छल्ले एक के ऊपर एक व्यवस्थित होते हैं) पाए गए हैं। वे शायद शौचालय या नालियों और कचरे के ढेर के रूप में उपयोग किए जाते थे।)

Accounts of sailors and travellers depict life in early cities. The account of an unknown Greek sailor tells about Bharuch. (नाविकों और यात्रियों के वृतांत प्रारंभिक शहरों में जीवन का चित्रण करते हैं। एक अज्ञात यूनानी नाविक का विवरण भरूच के बारे में बताता है।)

Archaeologists have found several coins belonging to this period. Designs were punched onto the metal to prepare them. (पुरातत्वविदों को इस काल के कई सिक्के मिले हैं। उन्हें तैयार करने के लिए धातु पर डिजाइन बनाए जाते थे।)

Mathura, an important settlement for more than 2500 years. It was located at the crossroads of two important travel and trade routes. It became the capital of the Kushanas about 2000 years ago. It was also a religious centre. (मथुरा, 2500 से अधिक वर्षों के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता। यह दो महत्वपूर्ण यात्रा और व्यापार मार्गों के चौराहे पर स्थित था। यह लगभग 2000 वर्ष पूर्व कुषाणों की राजधानी बना। यह एक धार्मिक केंद्र भी था।)

Archaeologists have also found evidence for crafts, like the extremely fine pottery called Northern Black Polished Ware. There were famous cloth centres at Varanasi and Madurai. Craftspersons and merchants formed associations called 'shrines' that helped them in their work. (पुरातत्वविदों को शिल्प के प्रमाण भी मिले हैं, जैसे उत्तरी काले पॉलिश वाले बर्तन कहे जाने वाले अत्यंत महीन मिट्टी के बर्तन। वाराणसी और मदुरै में प्रसिद्ध कपड़ा केंद्र थे। शिल्पकारों और व्यापारियों ने 'मंदिर' नामक संघों का गठन किया जो उनके काम में उनकी मदद करते थे।)

Between 2200 and 1900 years ago, Arikamedu was a coastal settlement. (2200 से 1900 वर्ष पूर्व अरिकामेडु एक तटीय बस्ती थी।)

Ring Wells: Rows of pots, or ceramic rings arranged one over the other is known as ring wells.
वलय कुएँ: बर्तनों की पंक्तियाँ, या चीनी मिट्टी के छल्ले एक के ऊपर एक व्यवस्थित होते हैं जिन्हें वलय कुएँ के रूप में जाना जाता है।

Sangam' Literature: Ancient Tamil texts that were composed in assemblies called 'Sangams' have been referred to as the 'Sangam' literature.
संगम' साहित्य: प्राचीन तमिल ग्रंथ जो 'संगम' नामक सभाओं में रचे गए थे, उन्हें 'संगम' साहित्य कहा जाता है।

Shreni': An association of craftspersons and merchants was called 'shreni'. 'Shrenis' provided training, raw material, etc. They also served as banks.
श्रेणी: शिल्पकारों और व्यापारियों के एक संघ को 'श्रेणी' कहा जाता था। 'श्रेणियां' प्रशिक्षण, कच्चा माल आदि प्रदान करती थीं। उन्होंने बैंकों के रूप में भी काम किया

The Jatakas: These were stories probably composed by ordinary people and then written down and preserved by Buddhist monks.
जातक: ये कहानियाँ संभवतः सामान्य लोगों द्वारा रचित थीं और बाद में बौद्ध भिक्षुओं द्वारा लिखी और संरक्षित की गईं।

About 3000 years ago. (Around 1000 B.C.) – beginning of the use of iron in the Indian subcontinent.
लगभग 3000 साल पहले (लगभग 1000 ई.पू.)- भारतीय उपमहाद्वीप में लोहे के प्रयोग की शुरुआत।

2500 years ago (around 500 B.C.) – increase in the use of iron, development of cities and the punch-marked coins.
2500 वर्ष पूर्व (लगभग 500 ई.पू.) – लोहे के प्रयोग में वृद्धि, नगरों का विकास तथा पंचमार्क वाले सिक्के।

2300 years ago (around 300 B.C.) – the 'Sangam' literature.
2300 वर्ष पूर्व (लगभग 300 ई.पू.)- 'संगम' साहित्य।

Between 2200 and 1900 years ago between C.100 B.C. and C.100 A.D.) – Settlement in Arikamedu (in Puducherry).
2200 से 1900 वर्ष पूर्व के बीच सी.100 ई.पू. और C.100 A.D.) - अरिकामेडु में बस्तियाँ (पुदुचेरी में)

United Liberal Foundation
Education is about creating leaders for tomorrow

Traders, Kings and Pilgrims Chapter 10
व्यापारी, राजा और तीर्थयात्री अध्याय 10

Traders and The Black Gold: South India was known for its gold, spices, especially pepper and precious stones. South Indian pepper was very popular in the Roman Empire and was known as the Black Gold.
व्यापारी और काला सोना: दक्षिण भारत अपने सोने, मसालों, खासकर काली मिर्च और कीमती पत्थरों के लिए जाना जाता था। दक्षिण भारतीय काली मिर्च रोमन साम्राज्य में बहुत लोकप्रिय थी और इसे ब्लैक गोल्ड के रूप में जाना जाता था।)

Exploring Sea Routes: In the course of their trading activities, traders explored many sea routes. Other traders reached the western coast of the subcontinent from East Africa or Arabia, sailing during the South-West monsoon.
समुद्री मार्गों की खोज: अपनी व्यापारिक गतिविधियों के दौरान, व्यापारियों ने कई समुद्री मार्गों की खोज की। अन्य व्यापारी दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान नौकायन करते हुए पूर्वी अफ्रीका या अरब से उपमहाद्वीप के पश्चिमी तट पर पहुँचे।

Muvender-Three Chiefs: The Sangam Literature talks about Muvender, meaning three Chiefs—the Cholas, Cheras, and Pandyas. They were powerful around 2300 years ago.
मुवेंदर-तीन प्रमुख: संगम साहित्य में मुवेंदर के बारे में बात की गई है, जिसका अर्थ है तीन प्रमुख- चोल, चेर और पांड्य।

वे लगभग 2300 साल पहले शक्तिशाली थे।)

The emergence of the Satavahanas: The Satavahana dynasty emerged after 200 years and was powerful in Western India. An important ruler of this dynasty was Gautamiputra Shri Satakarni.
सातवाहनों का उदय सातवाहन वंश का उदय: 200 वर्षों के बाद हुआ और वह पश्चिमी भारत में शक्तिशाली था। इस वंश के एक महत्वपूर्ण शासक गौतमीपुत्र श्री सातकर्णी थे।

The Silk Route: Techniques of making silk were first invented in China around 7000 years ago. The Chinese went to distant lands carrying silk with them. The paths they followed came to be known as the Silk Route.
रेशम मार्ग: रेशम बनाने की तकनीक का आविष्कार सबसे पहले चीन में लगभग 7000 साल पहले हुआ था। चीनी अपने साथ रेशम लेकर सुदूर देशों में चले गए। जिन रास्तों का उन्होंने अनुसरण किया उन्हें रेशम मार्ग के नाम से जाना जाने लगा।

Controlling the Silk Route: Some of the rulers of the earlier times tried to control the Silk Route for collecting taxes, tributes and gifts brought by the traders. The Indian rulers who controlled the Silk Route were the Kushanas.
रेशम मार्ग पर नियंत्रण: प्राचीन काल के कुछ शासकों ने व्यापारियों द्वारा लाए गए करों, उपहारों और उपहारों को एकत्र करने के लिए रेशम मार्ग को नियंत्रित करने का प्रयास किया। रेशम मार्ग को नियंत्रित करने वाले भारतीय शासक कुषाण थे।

Buddhist Council: The Kushana ruler Kanishka, who ruled around 1900 years ago organised a Buddhist Council. Ashvaghosha, a poet, composed a biography of the Buddha known as Buddhacharita.
बौद्ध परिषद: लगभग 1900 साल पहले शासन करने वाले कुषाण शासक कनिष्क ने एक बौद्ध परिषद का आयोजन किया था। अश्वघोष, एक कवि, ने बुद्ध की एक जीवनी की रचना की, जिसे बुद्धचरित के नाम से जाना जाता है।

Spread of Buddhism: A new form of Buddhism, 'Mahayana Buddhism/ developed and spread throughout Western and Southern India and southeastwards to Sri Lanka, Myanmar, Thailand and Indonesia.
बौद्ध धर्म का प्रसार: बौद्ध धर्म का एक नया रूप, 'महायान बौद्ध धर्म/विकसित और पूरे पश्चिमी और दक्षिणी भारत में और दक्षिण-पूर्व में श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड और इंडोनेशिया तक फैल गया।

Buddhist Pilgrim: Traders journeyed to distant lands in caravans and ships. With them, pilgrims often travelled. Well-known Chinese Buddhist pilgrims are Fa Xian, Xuan Zang and I-Qing. They left accounts of their journeys.
बौद्ध तीर्थयात्री: व्यापारी कारवां और जहाजों में दूर देशों की यात्रा करते थे। उनके साथ, तीर्थयात्री अक्सर यात्रा करते थे। प्रसिद्ध चीनी बौद्ध तीर्थयात्री फा शियान, जुआन जांग और आई-किंग हैं। उन्होंने अपनी यात्राओं का लेखा-जोखा छोड़ा।

The Beginning of Bhakti: The word Bhakti (Sanskrit term 'bhaj') means 'to divide or share.' It suggests an intimate, two-way relationship between the deity and the devotee. Bhakti is directed towards Bhagwat.
भक्ति की शुरुआत: भक्ति शब्द (संस्कृत शब्द 'भज') का अर्थ है 'विभाजित करना या साझा करना।' यह देवता और भक्त के बीच एक अंतरंग, दो-तरफ़ा संबंध का सुझाव देता है। भक्ति भागवत की ओर निर्देशित है।

The Northern Black Polished ware was fine pottery which included bowls and plates. They were carried by the traders from the places where they were made and were sold at other places. (उत्तरी काले पॉलिश वाले बर्तन महीन मिट्टी के बर्तन थे जिनमें कटोरे और प्लेटें शामिल थीं। व्यापारी उन्हें उन स्थानों से ले जाते थे जहाँ वे बनते

थे और अन्य स्थानों पर बेचे जाते थे।)

South India was famous for gold, spices, especially pepper and precious stones. Pepper was in great demand in the Roman Empire. It was valued as black gold there. Traders carried these goods to Rome in ships and in caravans. (दक्षिण भारत सोने, मसालों, विशेषकर काली मिर्च और बहुमूल्य रत्नों के लिए प्रसिद्ध था। रोमन साम्राज्य में काली मिर्च की काफी मांग थी। वहां इसकी कीमत काले सोने के बराबर थी। व्यापारी इन सामानों को जहाजों और कारवां में रोम ले जाते थे।)

Traders discovered several sea routes. They took advantage of the monsoon winds to make their journeys quick, easy and comfortable. (व्यापारियों ने कई समुद्री मार्गों की खोज की। उन्होंने अपनी यात्रा को त्वरित, आसान और आरामदायक बनाने के लिए मानसूनी हवाओं का लाभ उठाया।)

New Kingdoms developed along the coasts of the southern half of the sub-continent. (उपमहाद्वीप के दक्षिणी आधे हिस्से के तटों के साथ-साथ नए राज्यों का विकास हुआ।)

The Cholas, Cheras and Pandyas became powerful in south India around 2300 years ago. (लगभग 2300 वर्ष पूर्व चोल, चेर और पांड्य दक्षिण भारत में शक्तिशाली हो गए।)

Puhar or Kaveripattinam, the port or the Cholas and Madurai, the capital of the Pandyas were two important cities. (पुहार या कावेरीपट्टिनम, बंदरगाह या चोल और पांड्यों की राजधानी मदुरै दो महत्वपूर्ण शहर थे।)

The chiefs of the three ruling families demanded and received gifts from the people. They also collected tribute from neighbouring areas. They kept some of the wealth and distributed the rest amongst their supports. (तीन शासक परिवारों के प्रमुखों ने लोगों से उपहार मांगे और प्राप्त किए। उन्होंने पड़ोसी क्षेत्रों से भी श्रद्धांजलि एकत्र की। उन्होंने कुछ धन अपने पास रख लिया और शेष को अपने समर्थन में वितरित कर दिया।)

Around 200 years later the Satavahanas gained power in western India. Gautamiputra Shri Satakarni was the most important ruler of the Satavahanas. (लगभग 200 साल बाद सातवाहनों ने पश्चिमी भारत में सत्ता हासिल की। गौतमीपुत्र श्री सातकर्णी सातवाहनों के सबसे महत्वपूर्ण शासक थे।)

China invented the technology of making site around 7000 years ago. While the methods were kept a secret for many years, some people from China who went to distant lands carried silk with them. The paths they followed came to be known as the Silk Route. (चीन ने करीब 7000 साल पहले साइट बनाने की तकनीक का आविष्कार किया था। जबकि विधियों को कई वर्षों तक गुप्त रखा गया था, दूर देशों में जाने वाले चीन के कुछ लोग अपने साथ रेशम ले जाते थे। जिन रास्तों का उन्होंने अनुसरण किया उन्हें सिल्क रूट के नाम से जाना जाने लगा।)

The knowledge of silk spread far and wide. Rulers and rich people in Rome began to wear silk. (रेशम का ज्ञान दूर-दूर तक फैला हुआ था। रोम में शासक और अमीर लोग रेशम पहनने लगे।)

The Kushanas rulers controlled the Silk Route. They ruled over central Asia and north-west India around 2000 years ago. Their two major centres of power were Peshawar and Mathura. They also ruled Taxila. (रेशम मार्ग पर कुषाण शासकों का नियंत्रण था। उन्होंने लगभग 2000 साल पहले मध्य एशिया और उत्तर-पश्चिम भारत पर शासन किया था। उनकी सत्ता के दो प्रमुख केंद्र पेशावर और मथुरा थे। उन्होंने तक्षशिला पर भी शासन किया।)

The credit of the spread of Buddhism goes to Kanishka, a Kushan ruler. He organized a Buddhist council where scholars met to discuss various matters. (बौद्ध धर्म के प्रसार का श्रेय कुषाण शासक कनिष्क को जाता है। उन्होंने एक बौद्ध परिषद का आयोजन किया जहाँ विद्वान विभिन्न मामलों पर चर्चा करने के लिए मिलते थे।)

A new form of Buddhism, i.e. Mahayana Buddhism developed. Now Statues of the Buddha were made. (बौद्ध धर्म का एक नया रूप, यानी महायान बौद्ध धर्म विकसित हुआ। अब बुद्ध की मूर्तियाँ बनाई जाने लगीं।)

Bodhisattvas were supposed to be people who had attained enlightenment. (बोधिसत्व ऐसे लोग माने जाते थे जिन्होंने ज्ञान प्राप्त कर लिया था।)

Buddhism spread throughout Central Asia, China and later to Korea and Japan. It spread to western and southern India too. It also spread to Sri Lanka, Myanmar, Thailand, etc. (बौद्ध धर्म पूरे मध्य एशिया, चीन और बाद में कोरिया और जापान में फैल गया। यह पश्चिमी और दक्षिणी भारत में भी फैल गया। यह श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड आदि में भी फैल गया।)

Along with travellers pilgrims also travelled. The Chinese Buddhist pilgrims such as Fa Xran, Xuan Zang and I-Qing became very popular. (यात्रियों के साथ तीर्थयात्रियों ने भी यात्रा की। चीनी बौद्ध तीर्थयात्री जैसे फा ज़ारान, जुआन ज़ैंग और एल-किंग बहुत लोकप्रिय हुए।)

The worship to Shiva, Vishnu and goddesses like Durga became popular with Hinduism. These deities were worshipped through Bhakti, which means a person's devotion to his or her chosen deity. No one was barred from following the path of Bhakti. (शिव, विष्णु और दुर्गा जैसी देवी की पूजा हिंदू धर्म में लोकप्रिय हुई। इन देवताओं की पूजा भक्ति के माध्यम से की जाती थी, जिसका अर्थ है किसी व्यक्ति की अपने चुने हुए देवता के प्रति समर्पण। भक्ति मार्ग पर चलने से किसी को रोका नहीं गया।)

Muvendar: It is a Tamil word meaning three chiefs, used for the heads of three ruling families, the Cholas, Choras and Pandyas.
मुवेंद्र: यह एक तमिल शब्द है जिसका अर्थ है तीन प्रमुख, तीन शासक परिवारों, चोलों, चोरों और पांड्यों के प्रमुखों के लिए उपयोग किया जाता है।

Dakshina path: Literally it means the route leading to the south.
दक्षिणा पथ: इसका शाब्दिक अर्थ है दक्षिण की ओर जाने वाला मार्ग।

Silk Route: The paths through which the traders carried silk are known as silk routes.
रेशम मार्ग: जिन रास्तों से होकर व्यापारी रेशम ले जाते थे, उन्हें रेशम मार्ग के रूप में जाना जाता है।

Bodhisattvas: These were supposed to be persons who had attained enlightenment.
बोधिसत्व: ये ऐसे व्यक्ति माने जाते थे जिन्होंने ज्ञान प्राप्त कर लिया था।

Bhakti: It means a person's devotion to his/her chosen deity.
भक्ति: इसका अर्थ है किसी व्यक्ति की अपने चुने हुए देवता के प्रति समर्पण।

Pilgrim: Man and woman who undertake journeys to some sacred places to offer prayers.
तीर्थयात्री: आदमी और औरत जो प्रार्थना करने के लिए कुछ पवित्र स्थानों की यात्रा करते हैं।

Around 2300 years ago – the Cholas, Cheras and Pandyas became powerful in south India.
लगभग 2300 साल पहले - दक्षिण भारत में चोल, चेर और पांड्य शक्तिशाली हो गए।

Around 2500 years ago – the Satavahanas became powerful in western India.
लगभग 2500 वर्ष पूर्व – सातवाहन पश्चिमी भारत में शक्तिशाली हो गए।

Around 7000 years ago – techniques of making silk were first invented in China.

लगभग 7000 साल पहले - रेशम बनाने की तकनीक का आविष्कार सबसे पहले चीन में हुआ था।)

About 2000 years ago – wearing silk became a fashion among rulers and wealthy people in Rome.
लगभग 2000 साल पहले - रोम में शासकों और धनी लोगों के बीच रेशम पहनना एक फैशन बन गया था।)

Around 1900 years ago – Kanishka, the most famous Krishna ruler ruled.
लगभग 1900 साल पहले - सबसे प्रसिद्ध कृष्ण शासक कनिष्क का शासन था।)

About 1600 years ago – Fa Xian, a Chinese Buddhist pilgrim came to the subcontinent.
लगभग 1600 साल पहले - फा जियान, एक चीनी बौद्ध तीर्थयात्री उपमहाद्वीप में आया था।)

Around 1400 years ago – Xuan Zang, another Chinese Buddhist pilgrim came.
लगभग 1400 साल पहले - एक और चीनी बौद्ध तीर्थयात्री ह्वेनसांग आया था।)

New Empires and Kingdoms Chapter 11
नए साम्राज्य और राज्य अध्याय 11

Mamallapuram: Mamallapuram is known for its monolithic temples of the Pallavas.
मामल्लपुरम: मामल्लपुरम पल्लवों के अपने अखंड मंदिरों के लिए जाना जाता है।

The Harshacharita: In the early seventh century, Harshavardhan became the ruler of Thanesar. Information about Harsha's reign is also available in Harsha's biography Harshacharita, written by Banabhatta. The Chinese pilgrim Xuan Zang spent a lot of time in the court of Harsha.
हर्षचरित: सातवीं शताब्दी की शुरुआत में, हर्षवर्धन थानेसर के शासक बने। हर्ष के शासनकाल की जानकारी बाणभट्ट द्वारा लिखित हर्ष की जीवनी हर्षचरित में भी उपलब्ध है। चीनी यात्री ह्वेनसांग ने हर्ष के दरबार में काफी समय बिताया था।

Rulers in South India: After the decline of the Satavahanas, there arose smaller kingdoms in the South. Of these, the Chalukyas and the Pallavas were the important ones.
दक्षिण भारत में शासक: सातवाहनों के पतन के बाद दक्षिण में छोटे राज्यों का उदय हुआ। इनमें चालुक्य और पल्लव प्रमुख थे।

United Liberal Foundation
Education is about creating leaders for tomorrow

Prashasti of Samudragupta: Samudragupta was a famous ruler of the Gupta dynasty. Allahabad pillar inscription is a Prashasti on Samudragupta's military achievements. The poem was composed in Sanskrit by the Court Poet, Harishena. The poet praised the King as a warrior and equal to God.
समुद्रगुप्त की प्रशस्ति: समुद्रगुप्त गुप्त वंश का एक प्रसिद्ध शासक था। इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख समुद्रगुप्त की सैन्य उपलब्धियों पर एक प्रशस्ति है। इस कविता की रचना संस्कृत में दरबारी कवि हरिषेण ने की थी। कवि ने एक योद्धा और ईश्वर के समान राजा के रूप में राजा की प्रशंसा की।

Prashastis and Different Rulers: The Prashasti described four different kinds of rulers and Samudragupta's policies towards them. These are:
प्रशस्ति और विभिन्न शासक: प्रशस्ति में चार अलग-अलग प्रकार के शासकों और उनके प्रति समुद्रगुप्त की नीतियों का वर्णन किया गया है। ये हैं:)

- The rulers of Aryavarta. (आर्यावर्त के शासक।)
- The rulers of Dakshinapatha. (दक्षिणापथ के शासक।)
- Neighbouring states like Assam, Coastal Bengal and Nepal. (असम, तटीय बंगाल और नेपाल जैसे पड़ोसी राज्य।)

- States ruled by the descendants of the Kushanas. (कुषाणों के वंशजों द्वारा शासित राज्य।)

Prashastis: Prashasti is a Sanskrit word, meaning 'in praise of'. Prashastis are long inscriptions, written in praise of the kings. From the time of the Guptas, Prashastis became very important.
प्रशस्ति: प्रशस्ति एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ है 'की प्रशंसा में'। प्रशस्तियां लंबे शिलालेख हैं, जो राजाओं की प्रशंसा में लिखे गए हैं। गुप्तों के समय से प्रशस्तियों का बहुत महत्व हो गया।

The Chalukyas: The Chalukya kingdom was centred at the Raichur Doab. The Raichur Doab is located between the rivers Krishna and Tungabhadra. Their capital was at Vatapi. Pulakeshin II was a famous king of this dynasty. We know about him from a poem composed by his court poet Ravikirti.
चालुक्य: चालुक्य साम्राज्य रायचूर दोआब में केंद्रित था। रायचूर दोआब कृष्णा और तुंगभद्रा नदियों के बीच स्थित है। उनकी राजधानी वातापी में थी। पुलकेशिन द्वितीय इस वंश का एक प्रसिद्ध राजा था। उनके बारे में हमें उनके दरबारी कवि रविकीर्ति द्वारा रचित एक कविता से पता चलता है।

The Pallavas: The kingdom of the Pallavas was in the far South. They ruled between the mid 6th to the 8th century. The capital of the Pallavas was Kanchipuram, around the Kaveri delta in present Tamil Nadu.
पल्लव: पल्लवों का राज्य सुदूर दक्षिण में था। उन्होंने छठी से आठवीं शताब्दी के मध्य तक शासन किया। पल्लवों की राजधानी कांचीपुरम थी, जो वर्तमान तमिलनाडु में कावेरी डेल्टा के आसपास थी।

Fa Xian: Fa Xian was a Chinese pilgrim. He visited India and Sri Lanka. He is the most known for his pilgrimage to Lumbini, the birthplace of Lord Buddha.
फा शियान: फा शियान एक चीनी तीर्थयात्री था। उन्होंने भारत और श्रीलंका का दौरा किया। वह भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी की तीर्थयात्रा के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते हैं।

A Prashasti is a Sanskrit word which means 'in praise of. Although composition of prashastis was not a new thing, it became popular only from the time of the Guptas. (प्रशस्ति एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है 'की प्रशंसा में'। हालाँकि प्रशस्तियों की रचना कोई नई बात नहीं थी, लेकिन यह गुप्त काल से ही लोकप्रिय हो गई)

In Samudragupta's prashasti the poet described the king as equal to the gods. (समुद्रगुप्त की प्रशस्ति में कवि ने राजा को देवताओं के समान बताया है।)

Most prashastis also mention the ancestors of the ruler. For example, there is one prashasti that mentions Samudragupta's great grandfather, grandfather, father and mother. (अधिकांश प्रशस्तियों में शासक के पूर्वजों का भी उल्लेख मिलता है। उदाहरण के लिए, एक प्रशस्ति है जिसमें समुद्रगुप्त के परदादा, दादा, पिता और माता का उल्लेख है।)

Chandragupta, Samudragupta's father, was the first ruler of the Gupta dynasty who adopted the grand title of maharaj-adhiraj. This title was also used by Samudragupta. (समुद्रगुप्त के पिता चंद्रगुप्त, गुप्त वंश के पहले शासक थे जिन्होंने महाराज-अधिराज की भव्य उपाधि धारण की थी। इस उपाधि का प्रयोग समुद्रगुप्त ने भी किया था।)

Harshavardhana ruled Thanesar about 1400 years ago. He also began to rule over Kanauj after this brother-in-law was killed. (लगभग 1400 साल पहले हर्षवर्धन ने थानेसर पर शासन किया था। इस साले के मारे जाने के बाद वह कन्नौज पर भी शासन करने लगा।)

At the beginning of his rule, he remained successful but finally, his success did not last long. (अपने शासन की शुरुआत में वह सफल रहा लेकिन अंत में उसकी सफलता लंबे समय तक नहीं रही।)

The'Pallavas and Chalukyas were important ruling dynasties in South India. (पल्लव और चालुक्य दक्षिण भारत में महत्वपूर्ण शासक राजवंश थे।)

Pulakeshin II was the famous Chalukya ruler. His court poet Ravikirti composed poems in his praise. It was Pulakeshin II who checked the advance of Harsha. (पुलकेशिन द्वितीय प्रसिद्ध चालुक्य शासक था। उनके दरबारी कवि रविकीर्ति ने उनकी प्रशंसा में कविताओं की रचना की। यह पुलकेशिन द्वितीय था जिसने हर्ष की उन्नति की जाँच की।)

Land revenue remained important for the rulers. (भू-राजस्व शासकों के लिए महत्वपूर्ण बना रहा।)

A new kind of army developed. Kings maintained a well-organised army with elephants, chariots, cavalry and foot-soldiers along with military leaders. (एक नई तरह की सेना का विकास हुआ। राजाओं ने सैन्य नेताओं के साथ हाथियों, रथों, घुड़सवारों और पैदल सैनिकों के साथ एक सुव्यवस्थित सेना रखी।)

Local assemblies which included the Sabha (an assembly of Brahmin landowners) were there. Ur was a village assembly that existed in areas where the landowners were not Brahmins Nagaram was an organisation of merchants. (स्थानीय सभाएँ जिनमें सभा (ब्राह्मण जमींदारों की सभा) भी शामिल थी। उर एक ग्राम सभा थी जो उन क्षेत्रों में मौजूद थी जहां जमींदार ब्राह्मण नहीं थे नगरम व्यापारियों का एक संगठन था।)

The condition of ordinary people was not good. (आम लोगों की स्थिति अच्छी नहीं थी।)

Untouchables were not treated well. (अछूतों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता था।)

Dakshinapatha: It literary means the route leading to the south. The term also referred to the entire southern region.
दक्षिणापथ: इसका साहित्यिक अर्थ दक्षिण की ओर जाने वाला मार्ग है। यह शब्द पूरे दक्षिणी क्षेत्र को भी संदर्भित करता है।

Genealogy: It means a list of ancestors.
वंशावली: इसका अर्थ है पूर्वजों की सूची।

Kumar-amatya: It referred to an important minister.
कुमार-अमात्य: इसने एक महत्वपूर्ण मंत्री का उल्लेख किया।

Maha-danda-nayaka: It referred to the chief judicial officer.
महा-दंड-नायक: यह मुख्य न्यायिक अधिकारी को संदर्भित करता है।

Nagara-shreshthi: It was the term used for the chief banker or merchant of the city.
नागर-श्रेष्ठी: यह शब्द शहर के मुख्य बैंकर या व्यापारी के लिए प्रयोग किया जाता था।

Prashasti: It is a Sanskrit word which means 'in praise of. The court poets used to praise their rulers in glowing terms.
प्रशस्ति: यह एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है 'की प्रशंसा में'। दरबारी कवि अपने शासकों की प्रशंसा तेज शब्दों में किया करते थे।

Prathama-kulika: It was referred to the chief craftsman.
प्रथम-कुलिका: इसे मुख्य शिल्पकार कहा जाता था।

Sandhi-Vigrahika: It meant a minister of war and peace.

संधि-विग्रहिका: इसका अर्थ था युद्ध और शांति का मंत्री।

Sarbhavaha: The term used for the leader of the merchant caravans.
सार्भवाह: व्यापारी कारवां के नेता के लिए प्रयुक्त शब्द।

Ur: It was a village assembly.
उर: यह एक ग्राम सभा थी।

About 1700 years ago – beginning of the Gupta dynasty.
लगभग 1700 वर्ष पूर्व - गुप्त वंश का प्रारंभ।

About 1400 years ago – the rule of Harshavardhana.
लगभग 1400 वर्ष पूर्व-हर्षवर्धन का शासन।

Buildings, Paintings and Books Chapter 12
भवन, पेंटिंग और किताबें अध्याय 12

Writing Books: During this period, epics were composed and compiled. Epics are grand and long compositions about the heroic men, women and God.
लेखन पुस्तकें: इस काल में महाकाव्यों की रचना और संकलन हुआ। महाकाव्य वीर पुरुषों, महिलाओं और भगवान के बारे में भव्य और लंबी रचनाएँ हैं।

Building Temples: During this period, many temples for deities such as Vishnu, Shiva and Durga were built.
मंदिरों का निर्माण: इस अवधि के दौरान, विष्णु, शिव और दुर्गा जैसे देवताओं के लिए कई मंदिरों का निर्माण किया गया।

Iron Pillar in Delhi: The Iron pillar at Mehrauli in Delhi is the best example of the skill of Indian craftspersons. It is 1500 years old. Till today, the iron pillar has not rusted.
दिल्ली में लौह स्तंभ: दिल्ली में महरौली में स्थित लौह स्तंभ भारतीय शिल्पकारों के कौशल का सबसे अच्छा उदाहरण है। यह 1500 साल पुराना है। आज तक लौह स्तंभ में जंग नहीं लगा है।

Paintings: Ajanta is a famous place for several caves and monasteries with paintings. Paintings were drawn inside caves in the light of torches. All paintings are 1500 years old and the artists are unknown.
चित्रकारी: अजंता कई गुफाओं और मठों के चित्रों के लिए एक प्रसिद्ध स्थान है। गुफाओं के अंदर मशालों की रोशनी में चित्र बनाए जाते थे। सभी पेंटिंग्स 1500 साल पुरानी हैं और कलाकार अज्ञात हैं।

Silappadikaram: A poet Ilango composed the Silappadikaram, a Tamil epic, around 1800 years ago. The Silappadikaram is about the story of a merchant and his wife, Kannagi. This epic mentions about the incident that happened in Madurai.
सिलप्पादिकारम: एक कवि इलंगो ने लगभग 1800 साल पहले एक तमिल महाकाव्य सिलप्पादिकारम की रचना की थी। सिलप्पादिकारम एक व्यापारी और उसकी पत्नी कन्नगी की कहानी है। इस महाकाव्य में मदुरै में घटी घटना का उल्लेख है।

Writings of Kalidasa: During this period, Kalidasa contributed a lot to Sanskrit literature. Malavikagnimitra, Abhigyan Shakuntalam, Vikramorvasiya, Raghuvansham and Kumarasambhava were some of the popular works of Kalidasa.
कालिदास के लेखन: इस अवधि के दौरान, कालिदास ने संस्कृत साहित्य में बहुत योगदान दिया। मालविकाग्निमित्र, अभिज्ञान शाकुंतलम, विक्रमोर्वसिया, रघुवंशम और कुमारसंभव कालिदास की कुछ लोकप्रिय रचनाएँ थीं।

Writing Puranas: Purana means 'old'. Many Puranas such as the Mahabharata and Ramayana were written during this period. The Puranas contain stories about Gods and goddesses such as Vishnu, Shiva, Durga, and Parvati.
पुराण लेखन: पुराण का अर्थ है 'पुराना'। महाभारत और रामायण जैसे कई पुराण इस अवधि के दौरान लिखे गए थे। पुराणों में विष्णु, शिव, दुर्गा और पार्वती जैसे देवी-देवताओं की कहानियाँ हैं।

Stupa: Stupa means 'mound'. The common features of the stupa are round, tall, big and small. At the centre of a stupa, there is a small box known as a relic casket, which contains bodily remains such as teeth, bone and ashes.
स्तूप: स्तूप का अर्थ है 'टीला'। स्तूप की सामान्य विशेषताएं गोल, लंबी, बड़ी और छोटी हैं। एक स्तूप के केंद्र में, एक छोटा सा बॉक्स होता है जिसे अवशेष कास्केट के रूप में जाना जाता है, जिसमें दांत, हड्डी और राख जैसे शारीरिक अवशेष होते हैं।

Books on Science: During this period, Aryabhatta, a mathematician and an astronomer, wrote a book of science, "Aryabhatiyam". He also developed a scientific explanation for eclipses. Zero was invented in India during this period only.
विज्ञान पर पुस्तकें: इस अवधि के दौरान, एक गणितज्ञ और एक खगोलशास्त्री आर्यभट्ट ने विज्ञान की एक पुस्तक "आर्यभटीयम्" लिखी। उन्होंने ग्रहणों के लिए एक वैज्ञानिक व्याख्या भी विकसित की। भारत में शून्य का आविष्कार इसी काल में हुआ था।

Madurai: Madurai is one of the cities in Tamil Nadu known for its temples. In this city, Tamil Sangam (Assembly) emerged and contributed for the development of Tamil literature and it was the first Sangam assembly in the sequence of the three Sangams.
मदुरै: मदुरै तमिलनाडु के उन शहरों में से एक है जो अपने मंदिरों के लिए जाना जाता है। इस शहर में, तमिल संगम (विधानसभा) का उदय हुआ और तमिल साहित्य के विकास में योगदान दिया और यह तीन संगमों के क्रम में पहली संगम सभा थी।

The Great Stupa: It is located at Sanchi in Madhya Pradesh. It dates back to the period of Ashoka and is the best architectural evidence for Buddhist history.
महान स्तूप: यह मध्य प्रदेश के सांची में स्थित है। यह अशोक के काल का है और बौद्ध इतिहास का सबसे अच्छा स्थापत्य साक्ष्य है।

United Liberal Foundation
Education is about creating leaders for tomorrow

Monolithic Temples: Monolithic Temples are the temples that were carved out of a huge single rock. These temples can be seen in Mahabalipuram near Chennai city in Tamil Nadu.
अखंड मंदिर: अखंड मंदिर वे मंदिर हैं जो एक विशाल चट्टान को काटकर बनाए गए हैं। इन मंदिरों को तमिलनाडु में चेन्नई शहर के पास महाबलीपुरम में देखा जा सकता है।

The famous Iron Pillar at Mehrauli in Delhi is a remarkable example of the skill and art of the Indian crafts people. (दिल्ली के महरौली में प्रसिद्ध लौह स्तंभ भारतीय शिल्पकारों के कौशल और कला का एक उल्लेखनीय उदाहरण है।)

The pillar was made about 1500 years ago. (यह स्तंभ करीब 1500 साल पहले बना था।)

The buildings such as stupas and temples also show the skill of country's crafts persons. These buildings were made of brick and stone. (स्तूप और मंदिर जैसी इमारतें भी देश के शिल्पकारों के कौशल को दर्शाती हैं। ये इमारतें ईंट और पत्थर से बनी थीं।)

The great stupa at Sanchi, Madhya Pradesh, was built over several centuries. (सांची, मध्य प्रदेश में महान

स्तूप, कई शताब्दियों में बनाया गया था।)

Amaravati was also a place where a magnificent stupa once existed. (अमरावती भी एक ऐसा स्थान था जहां एक शानदार स्तूप हुआ करता था।)

Some finest stone temples were built in towns like Mahabalipuram and Aihole. (कुछ बेहतरीन पत्थर के मंदिर महाबलीपुरम और ऐहोल जैसे शहरों में बनाए गए थे।)

Building stupas and temples was an expensive affair. Therefore, only Kings and queens decided to build them. They spent money from their treasury to pay the crafts people who worked to build these splendid buildings. (स्तूपों और मंदिरों का निर्माण एक खर्चीला कार्य था। इसलिए, केवल राजाओं और रानियों ने ही उन्हें बनाने का फैसला किया। उन्होंने इन शानदार इमारतों को बनाने के लिए काम करने वाले शिल्पकारों को भुगतान करने के लिए अपने खजाने से पैसा खर्च किया।)

The paintings of Ajanta are world famous. This is a place where several caves were hollowed out of the hills over centuries. Most of these were monasteries and some of them were decorated with paintings. (अजंता के चित्र विश्व प्रसिद्ध हैं। यह एक ऐसी जगह है जहां सदियों से कई गुफाओं को पहाड़ियों से खोखला कर दिया गया था। इनमें से अधिकांश मठ थे और कुछ को चित्रों से सजाया गया था।)

Some best-known epics were written during this period. For example—the Silappadikaram and the Manimekalai. These were Tamil epics written by llango and Sattanar respectively. (इस अवधि के दौरान कुछ प्रसिद्ध महाकाव्य लिखे गए थे। उदाहरण के लिए- सिलप्पादिकारम और मणिमेकलई। ये क्रमशः ललंगो और सत्तानार द्वारा लिखे गए तमिल महाकाव्य थे।)

Writers like Kalidasa wrote in Sanskrit. His best-known poem is the Meghaduta. (कालिदास जैसे लेखकों ने संस्कृत में लिखा। उनकी सबसे प्रसिद्ध कविता मेघदूत है।)

The puranas which contained religious stories were also written during this time. These were written in simple Sanskrit verse and were meant to be heard by everybody including women and shudras. (जिन पुराणों में धार्मिक कथाएँ थीं, वे भी इसी काल में लिखे गए थे। ये सरल संस्कृत पद्य में लिखे गए थे और महिलाओं और शूद्रों सहित सभी को सुनने के लिए थे।)

The Mahabharata and Ramayana, famous epics in Sanskrit had been popular for a long time. (महाभारत और रामायण, संस्कृत में प्रसिद्ध महाकाव्य लंबे समय से लोकप्रिय थे।)

The Mahabharata is about a war fought between the Kauravas and Pandavas, who were cousins. (महाभारत कौरवों और पांडवों के बीच लड़े गए युद्ध के बारे में है, जो चचेरे भाई थे।)

The Ramayana is about Rama, who was the prince of Kosala but was sent into exile for fourteen years. (रामायण राम के बारे में है, जो कोसल के राजकुमार थे, लेकिन उन्हें चौदह साल के लिए वनवास भेज दिया गया था।)

The Jatakas were collections of stories which were told by ordinary people. (जातक कहानियों का संग्रह था जो आम लोगों द्वारा कही जाती थी।)

Books on science were also written during this period. Aryabhatta, a mathematician and astronomer wrote a book in Sanskrit called Aryabhatiyam. He stated that day and night were caused by the rotation of the earth on its axis. He also developed a scientific explanation for eclipses. (इस काल में विज्ञान पर पुस्तकें भी लिखी गईं। गणितज्ञ और खगोलशास्त्री आर्यभट्ट ने संस्कृत में आर्यभटियम नामक एक पुस्तक लिखी।

United Liberal Foundation
Education is about creating leaders for tomorrow

उन्होंने कहा कि दिन और रात पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारण होते हैं। उन्होंने ग्रहणों के लिए एक वैज्ञानिक व्याख्या भी विकसित की।)

Epic: It is a grand, long composition about heroic men and women and includes stories about gods.
महाकाव्य: यह वीर पुरुषों और महिलाओं के बारे में एक भव्य, लंबी रचना है और इसमें देवताओं के बारे में कहानियाँ शामिल हैं।

Garbhagriha: It was an important part of the temple where the image of the chief deity was placed.
गर्भगृह: यह मंदिर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था जहां मुख्य देवता की छवि रखी गई थी।

Jatakas: These were stories told by common people.
जातक: ये आम लोगों द्वारा बताई गई कहानियाँ थीं।

Mandapa: It was a hall like structure built in the temple for the people to assemble.
मंडप: यह लोगों के एकत्र होने के लिए मंदिर में निर्मित एक हॉल जैसा ढांचा था।

Painting: It is an art of laying on colours.
चित्रकारी: यह रंग डालने की एक कला है।)

Purana: It literary means old. The Puranas contained stories about Hindu gods and goddesses.
पुराण: इसका साहित्यिक अर्थ पुराना है। पुराणों में हिंदू देवी-देवताओं की कहानियां हैं।

Stupa: It is a word that means a mound.
स्तूप: यह एक ऐसा शब्द है जिसका अर्थ टीला होता है।

Temple: It is a religious place for the Hindus.
मंदिर: यह हिंदुओं का धार्मिक स्थल है।

Shikhara: It refers to the tower of a temple.
शिखर: यह एक मंदिर के टॉवर को संदर्भित करता है।

United Liberal Foundation
Education is about creating leaders for tomorrow

2300 years ago – Beginning of Stupa building
2300 वर्ष पूर्व - स्तूप निर्माण की शुरुआत

2000 years ago – Amaravati
2000 साल पहले - अमरावती

1600 years ago – Kalidasa
1600 साल पहले - कालिदास

1500 years ago – Iron pillar, Temple at Bhitragaon, Paintings of Ajanta and Aryabhatta
1500 साल पहले - लौह स्तंभ, भीतरगाँव में मंदिर, अजंता और आर्यभट्ट के चित्र

1400 years ago – Durga Temple
1400 साल पहले - दुर्गा मंदिर

Address - F 21/B Shahi Astabal, Garden Reach Rd, Kolkata, West Bengal 700024
Contact – 6204607570 , 8017216638
Email – admin@unitedliberalfoundation.com